RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:70 ता. 10 सितम्बर 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर आज एक दिन राजकीय शोक, तिरंगा आधा झुका रहेगा

नई दिल्ली। भारत सरकार रविवार को ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सम्मान में एक दिन का राजकीय शोक मनाएगी। ब्रिटिश महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का गुरुवार को निधन हो गया। गृह मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि शोक के दिन पूरे भारत में सभी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इस दिन कोई आधिकारिक गतिविधि नहीं होगी। केंद्र की ओर से जारी घोषणा में कहा गया, यूके की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 8 सितंबर 2022 को निधन हो गया। दिवंगत महारानी के सम्मान में, भारत सरकार ने फैसला किया है कि 11 सितंबर को पूरे भारत में एक दिन का राजकीय शोक होगा। शोक के दिन, आधा झुका राष्ट्रीय ध्वज पूरे भारत में उन सभी भवनों पर फहराया जाएगा जहां राष्ट्रीय ध्वज नियमित रूप से फहराया जाता है और उस दिन कोई आधिकारिक कार्य नहीं होगा। बकिंघम पैलेस ने 8 सितंबर को बयान जारी कर महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन की जानकारी दी। वह 96 वर्ष की थीं। एलिजाबेथ द्वितीय ब्रिटेन पर सबसे लंबे समय तक राज करने वाली शाही हस्ती हैं। वह 70 साल शासन के शीर्ष पर रहीं।

'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी की टी-शर्ट की कीमत को लेकर भाजपा हमलावर

नई दिल्ली । कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान उसके पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की धारण की गई टी-शर्ट की कीमत भाजपा हमलावर है। भाजपा के मुताबिक 41,000 रुपये से अधिक है। भाजपा ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से दो तस्वीरें साझा कीं और राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी की ओर से जारी एक तस्वीर राहुल गांधी की है जबकि दूसरी तस्वीर में एक टी-शर्ट को उसकी कीमत के साथ दिखाया गया है जो कि गांधी द्वारा पहनी गई टी-शर्ट जैसी दिख रही है। तस्वीरें साझा करते हुए भाजपा ने ट्वीट किया, 'भारत देखो।' भाजपा ने दावा किया कि इस टी-शर्ट की कीमत 41,257 रुपये है। वहीं, कांग्रेस नेता के समर्थन में भी कुछ उपयोगकर्ताओं ने ट्वीट किये। एक उपयोगकर्ता ने आरोप लगाया कि भाजपा के इस तरह के ट्वीट से पता चलता है कि इस यात्रा से वह 'घबरा' गई है। एक अन्य उपयोगकर्ता ने कहा गांधी अपने कपड़ों पर जो खर्च कर रहे हैं, वह जनता का पैसा नहीं है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने गुरुवार को संवाददाताओं से कहा था कि वह यात्रा का नेतृत्व नहीं कर रहे हैं और केवल इसका हिस्सा हैं। उन्होंने दावा किया था कि इसका उद्देश्य देश में 'घृणा' फैलाकर 'भाजपा-आरएसएस द्वारा किए गए नुकसान की भरपाई करना है।'

30 सितंबर के बाद डीमैट खाताधारकों को लॉग इन बायामैट्रिक ऑथेंटिकेशन से करना होगा

मुंबई । अगर आप शेयर बाजार में निवेश करते हैं, तब यह आपके लिए बड़े काम की खबर है। 30 सितंबर के बाद आप बिना 'टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन के अपने डीमैट खाते में लॉग इन नहीं कर सकते हैं। नियामकों की ओर से ये फैसला निवेशकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की ओर से 14 जून को इस लेकर एक सर्कुलर जारी किया गया था, जिसमें डीमैट खाताधारकों को बायामैट्रिक ऑथेंटिकेशन का उपयोग करने के लिए कहा गया था। यह 'टू फैक्टर ऑथेंटिकेशन' लॉग इन में पहला पड़ाव है। जबकि दूसरा 'नॉलेज फैक्टर' या पसेशन फैक्टर' हो सकता है। 'नॉलेज फैक्टर में आप अपने पासवर्ड और पिन से लॉग इन करते हैं। पसेशन फैक्टर' में यूजर ओटीपी और सिक्योरिटी टोकन के जरिए ही लॉग करते हैं। ग्राहकों को ओटीपी एसएमएस और ईमेल के जरिए प्राप्त होता है। अगर बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन नहीं है, तब फिर यूजर को नॉलेज फैक्टर और पसेशन फैक्टर ऑथेंटिकेशन के जरिए लॉग इन करना होगा। सर्कुलर के मुताबिक, डीमैट खाते को बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन के साथ पासवर्ड/ पिन या ओटीपी/ सिक्योरिटी टोकन के द्वारा ही लॉग इन किया जा सकेगा। वहीं, जहां बायोमैट्रिक ऑथेंटिकेशन संभव नहीं है। उन डीमैट अकाउंट पर पासवर्ड, ओटीपी के साथ पिन या फिर सिक्योरिटी टोकन के जरिये लॉग इन किया जा सकता है।

2025 तक भारत से टीबी उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरतः राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

(एजेंसी)

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को 'प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान' की डिजिटल तरीके से शुरुआत करते हुए लोगों से 2025 तक देश से टीबी के उन्मूलन के लिए सामूहिक रूप से युद्ध स्तर पर काम करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने 'नि-क्षय 2.0' पोर्टल के माध्यम से टीबी रोगियों को सामुदायिक सहायता प्रदान करने की सरकार की पहल की सराहना की, जिसके तहत टीबी रोगियों को किसी व्यक्ति, निर्वाचित प्रतिनिधियों या संस्थानों द्वारा देखभाल के लिए अपनाया जा सकता है। उन्होंने सभी से अभियान को जन आंदोलन बनाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, ''जब लोगों के हित में कोई कल्याणकारी योजना बनाई जाती है, तो उसके सफल होने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।''

मुर्मू ने कहा कि सभी संक्रामक रोगों में सबसे ज्यादा मौतें टीबी से होती हैं। राष्ट्रपति ने कहा, ''भारत में दुनिया की आबादी का 20 प्रतिशत से कुछ कम है, लेकिन दुनिया के कुल टीबी रोगियों का यहां 25 प्रतिशत से अधिक है। यह चिंता का विषय है।'' साथ ही उन्होंने कहा कि टीबी से प्रभावित ज्यादातर लोग समाज के गरीब तबके से आते हैं। राष्ट्रपति ने टीबी उपचार पर अतिरिक्त डायग्नोस्टिक, पोषण और व्यावसायिक सहायता सुनिश्चित करने के लिए 'नि-क्षय मित्र' पहल भी शुरू की, और निर्वाचित प्रतिनिधियों, कारोबारी घरानों, गैर सरकारी संगठनों और लोगों को रोगियों की मदद करने के लिए दाताओं के रूप में आगे आने को लेकर प्रोत्साहित किया। 'नि-क्षय 2.0' पोर्टल टीबी रोगियों के उपचार परिणामों में सुधार के लिए अतिरिक्त रोगी सहायता प्रदान करने, 2025 तक टीबी उन्मूलन की भारत की प्रतिबद्धता को पूरा करने और कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अवसरों का लाभ उठाने में सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाने में सुविधा प्रदान करेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत ने कोविड-19 महामारी से निपटने में विश्व के सामने एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि विश्वास के साथ आगे बढ़ने की 'नए भारत' की नीति टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में भी दिखाई दे रही है। संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के अनुसार, सभी राष्ट्रों ने वर्ष 2030 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है। लेकिन भारत सरकार ने वर्ष 2025 तक टीबी उन्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया है और इस संकल्प को पूरा करने के लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि इस अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए लोगों में टीबी के प्रति जागरूकता पैदा करनी होगी। उन्होंने कहा कि इसका उपचार प्रभावी और सुलभ है और सरकार इस बीमारी की रोकथाम और उपचार के लिए मुफ्त सेवा मुहैया कराती है। उन्होंने कहा कि सभी को इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि टीबी के रोगाणु अक्सर सबके शरीर में मौजूद होते हैं।

कैप्टन अमरिंदर अपनी पार्टी का भाजपा में कर सकते हैं विलय, शाह और नड्डा से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली । पंजाब की सियासत में आप पार्टी की सत्ता है। ऐसे में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह शुक्रवार दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर सकते हैं। मुलाकात के दौरान पंजाब लोक कांग्रेस की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में विलय पर भी चर्चा हो सकती है। नड्डा और शाह से मिलने के पहले अमरिंदर सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात कर चुके हैं। पार्टी के बड़े नेताओं की कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात को 2024 के लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां पार्टी पहले से अधिक सीट जीतने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है। अगर पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय होता है तो पार्टी अमरिंदर सिंह को पंजाब में बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। आम आदमी पार्टी के उदय के बाद सभी पार्टियां फिर से राज्य में जमीन तलाशने की नई संभावनाओं पर विचार कर रही हैं। ऐसे में कांग्रेस को दो बार सत्ता में ला चुके कैप्टन भाजपा के लिए बड़ी उपलब्धि बन सकते हैं। साथ ही भाजपा की बड़े सिख चेहरे की तलाश भी पूरी हो सकती है। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की जबरदस्त जीत के आगे बड़े-बड़े नेताओं ने घुटने टेक दिए थे। ऐसे में लोकसभा चुनाव में स्थिति अलग होने के कारण भाजपा को उम्मीद है कि राज्य में वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। किसान आंदोलन ने भी राज्य में भाजपा की छवि को खासा नुकसान पहुंचाया है। हालांकि पार्टी को उम्मीद है कि मोदी के चेहरे पर लोकसभा चुनाव के नतीजे उसके अनुकूल आ सकते हैं।

आम लोगों के लिए खुला सेंट्रल विस्टा एवेन्यू, 'कर्तव्य पथ' पर उमड़ी लोगों की भीड़, फोटोग्राफरों के आएंगे अच्छे दिन?

नई दिल्ली: (एजेंसी)

कर्तव्य पथ के उद्घाटन के बाद उमड़ी भीड़ से इंडिया गेट पर काम कर रहे फोटोग्राफर के बीच आय बढ़ने की उम्मीद जगी है। फोटोग्राफर हरदयाल इंडिया गेट पर तस्वीर लेने के दौरान ग्राहक को चश्मा ठीक करने और कैमरे की तरफ देखने के बारे में निर्देश देते हुए नजर आये। हरदयाल (41) उन 130 फोटोग्राफर में शामिल हैं, जो इंडिया गेट पर अपनी कला के जरिये लोगों की सुंदर तस्वीरें लेते हैं और इनमें से कई फोटोग्राफर करीब 25 वर्षों से पयर्टकों की तस्वीरें खींचकर अपनी अजीविका चला रहे हैं। कोविड महामारी के कारण आर्थिक तौर पर बुरी तरह प्रभावित रहे फोटोग्राफर कर्तव्य पथ के उद्घाटन के बाद शुक्रवार को पहले दिन पर्यटकों की भीड़ देखकर खासे उत्साहित नजर आये और उन्हें धीरे-धीरे अपनी आय बढ़ने की उम्मीद है।

ग्राहक को समझाते हुए हरदयाल ने कहा, ''मैं 30 रुपये प्रति फोटो के हिसाब से फोटो प्रिंट करवा सकता हूं। लेकिन, अगर आप 'सॉफ्ट कॉपी' चाहते हैं तो यह 10 रुपये प्रति फोटो के हिसाब से होगा। आप दोनों ही क्यों नहीं ले लेते।'' ग्राहक के हामी भरने के बाद हरदयाल ने कैमरे से 'मेमोरी कार्ड' निकाला और ग्राहक के मोबाइल फोन में तस्वीरें स्थानांतरित करना शुरू किया जबकि कई अन्य ग्राहक अपनी फोटो खिंचाने का इंतजार करते दिखे।

सिर्फ राजपथ का नाम ही नहीं अंग्रेजों की कई निशानी को मिटा चुकी मोदी सरकार

नई दिल्ली । देश की राजधानी के सेंट्रल विस्टा एवेन्यू में आने वाले राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया। नई दिल्ली म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन की एक बैठक में इसको मंजूरी दी गई थी। पीएम मोदी ने कर्तव्य पथ का नामकरण और उद्घाटन भी कर दिया है। इसके साथ ही इंडिया गेट के किंग जॉर्ज पंचम वाली जगह पर अब नेताजी सुभाए चंद्र बोस की प्रतिमा भी लगा दी गई है। पीएम मोदी ने दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 28 फीट ऊंची प्रतिमा को देश को समर्पित की। जहां इस साल की शुरुआत में पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का उद्घाटन किया गया था। इस साल 15 अगस्त को पीएम मोदी ने 'पंच प्रण' लिया था। जिसमे उनका दूसरा प्रण देश को गुलामी की हर सोच से मुक्त कराना था। मोदी सरकार ने अपने 8 साल में ऐसा ही कुछ किया है। और इसी कड़ी में सितंबर 2022 की शुरुआत में भारतीय नौसेना को नई पहचान मिली। अब तक नौसेना के झंडे में किंग जॉर्ज का कॉर्स था जो कि अब अतीत का हिस्सा हो गया है और अब नौसेना के झंडे में शिवाजी महाराज की मोहर लगाई गई है। 2015-औरंगजेब रोड का नाम बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड कर दिया गया। 2015-पीएम आवास के रेस कोर्स का नाम कल्याण मार्ग कर दिया गया है। 2017-डलहौजी रोड का नाम बदलकर दारा शिकोह रोड कर दिया गया था।

हैदराबाद में भगवान गणेश के लड्डू की हुई नीलामी, 24 लाख रुपये में बिका

हैदराबाद । (एजेंसी)

देशभर में भगवान गणेश उत्सव की धूम देखने को मिल रही है। देश के कई इलाकों में भगवान गणेश के भव्य पंडाल देखने को मिल रहे हैं। इस बीच, हैदराबाद में भगवान गणेश जी के लड्डू की नीलामी की गई है। बालापुर गणेश का ये लड्डू 24.60 लाख रुपये में नीलाम हुआ है, इसका वजन 21 किलो है। भगवान गणेश के लड्डू को खरीदने वाले शख्स का नाम वी लक्ष्मण रेड्डी है। बिजनेसमैन लक्ष्मण बालापुर गणेश उत्सव समिति के सदस्य भी हैं। हैदराबाद में मशहूर बालापुर गणपति भगवान के 21 किलोग्राम के लड्डू की नीलामी की गई है। इसका 24.60 लाख रुपये में बिकी होना एक रिकॉर्ड है। इस साल लड्डू को बालापुर इलाके के टीआरएस नेता वांगेटी लक्ष्मा रेड्डी ने सबसे ऊंची बोली लगाकर हासिल किया है। साल 2021 में लड्डू के लिए 18.90 लाख रुपये की बोली लगाई गई थी। 2019 में लड्डू के लिए 17.60 लाख रुपये की बोली लगाई गई थी। वहीं 2018 में लड्डू को 16.60 लाख रुपये की कीमत पर नीलाम किया गया था। साल 2020 में कोरोना के कारण नीलामी रद्द कर दी गई थी और बालापुर गणेश लड्डू को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को सौंप दिया गया था। लड्डू की नीलामी का इतिहास काफी पुराना है और यह साल 1994 से चला आ रहा है। पहले लड्डू को एक भक्त ने 450 रुपये में खरीदा था और तबसे यह परंपरा जारी है। हैदराबाद में गणपति प्रतिमा विसर्जन के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात कर रखी है, तेलंगाना सरकार ने 9 सितंबर को छुट्टी घोषित की है।

भारत-चीन गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स इलाके से पीछे हटने की प्रक्रिया 12 सितंबर तक पूरी होगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत और चीन पूर्वी लद्दाख के गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स इलाके से पीछे हटने की प्रक्रिया 12 सितंबर तक पूरी करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मंत्रालय के बयान से एक दिन पहले भारत और चीन की सेनाओं ने घोषणा की थी कि उन्होंने गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स के 'पेट्रोलिंग प्वाइंट 15' से पीछे हटने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस स्थान पर दोनों सेनाओं के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से गतिरोध बना हुआ है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि दोनों पक्षों ने वार्ता जारी रखने और भारत-चीन सीमावर्ती इलाकों में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास शांति बहाल करने एवं शेष मुद्दों को सुलझाने पर सहमति जाहिर की है। मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने मामले से जुड़े सवालों के जवाब में कहा, इस लेकर सहमति बनी कि इलाके में दोनों पक्षों द्वारा बनाए गए सभी अस्थायी ढांचे और अन्य संबद्ध ढांचे ध्वस्त किए जाएंगे और इसकी पारस्परिक रूप से पुष्टि होगी। इलाके में भूमि का वहीं प्राकृतिक स्वरूप बहाल किया जाएगा, जो दोनों पक्षों के बीच गतिरोध की स्थिति से पहले था।

बागची ने कहा कि भारत और चीन के कोर कमांडरों के बीच 16वें दौर की वार्ता 17 जुलाई 2022 को चुशुल मोल्दो बैठक स्थल पर हुई थी। उन्होंने कहा, दोनों पक्षों ने तब से भारत-चीन सीमा क्षेत्रों के पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ प्रासंगिक मुद्दों को हल करने के लिए नियमित संपर्क बनाए रखा था।'' उन्होंने कहा कि इसके परिणामस्वरूप दोनों पक्ष अब गोगरा-हॉटस्प्रिंग्स (पीपी-15) के क्षेत्र में पीछे हटने पर सहमत हो गए हैं। बागची ने कहा कि समझौते के तहत, क्षेत्र में पीछे हटने की प्रक्रिया आठ सितंबर को सुबह साढ़े आठ बजे शुरू हुई और यह 12 सितंबर तक पूरी होगी। उन्होंने कहा, दोनों पक्ष चरणबद्ध, समन्वित और सत्यापित तरीके से इस क्षेत्र में भविष्य में सैन्य जमावड़े पर रोक पर सहमत हुए हैं।

वरिष्ठ नेताओं के कांग्रेस छोड़ने पर राहुल ने कहा.... वे भाजपा से लड़ना नहीं चाहते, मैं वैसा नहीं हूं

तमिलनाडु भाजपा प्रमुख का तंज राहुल गांधी भारत छोड़ों यात्रा के लिए प्रसिद्ध

चेन्नई । (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा निकाल रहे हैं। अपनी यात्रा के दूसरे दिन राहुल गांधी से पत्रकारों ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की टिप्पणियों के बारे में पूछा। इस पर राहुल गांधी ने कहा, देखिए यह बीजेपी का ओपिनियन है, आरएसएस का ओपिनियन हो सकता है। ठीक है, उनका अपना ओपिनियन है। उन्हें हक है। मेरी यह यात्रा नफरत के खिलाफ है। देश को जोड़ने के लिए है। मैं इसलिए यात्रा कर रहा हूं, ताकि देश को जो नुकसान आरएसएस और बीजेपी पहुंचा रहे हैं, उस रोका जा सके। हमें उसके खिलाफ लड़ना है। वरिष्ठ नेताओं के कांग्रेस छोड़ने के बारे में पूछने पर राहुल गांधी ने कहा, 'सब लोग लड़ना नहीं चाहते। बहुत लोग बीजेपी के सामने हाथ जोड़कर शांति पाना चाहते हैं, मैं वैसा नहीं हूं। राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो यात्रा पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने तंज कसते हुए कहा था, 'कांग्रेस को यह यात्रा शुरू ही करनी है, तब इसकी शुरुआत पाकिस्तान से होनी चाहिए। भारत पहले से जुड़ा हुआ है और एक है। भारत का बंटवारा 1947 में हुआ था। इसकारण भारत में इस यात्रा का कोई लाभ नहीं मिलने वाला है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक भारत जुड़ा हुआ है। कांग्रेस ने 1947 में भारत को खंडित किया था। अगर राहुल गांधी को कोई पछतावा है कि मेरे नाना ने गड़बड़ किया था, पंडित नेहरू के समय में जो हुआ, वह नहीं होना चाहिए था, तब उन्हें पाकिस्तान से भारत जोड़ो यात्रा शुरू करनी चाहिए। पाकिस्तान को भारत में जोड़ो, बांग्लादेश को अखंड भारत में जोड़ो। इसी क्रम में तमिलनाडु भाजपा प्रमुख अन्नामलाई ने तंज कसते हुए कहा था कि राहुल गांधी 'भारत जोड़ो' नहीं 'भारत छोड़ो' यात्रा के लिए प्रसिद्ध हैं। जब इस यात्रा के दौरान वह देशभर में घूमने वाले हैं तब पता चलेगा कि 8 साल में पीएम मोदी ने क्या किया है, उनकी आंखें खुल जाएगी।

सार समाचार

बीएसएफ ने अमृतसर में राजाताल सीमा चौकी के पास देखे पाकिस्तानी ड्रोन, तलाश शुरू की

नई दिल्ली । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुरुवार देर रात पाकिस्तान से अमृतसर के पास राजाताल सीमा चौकी में दो बार उड़ान भरने वाले ड्रोन के लिए तलाशी अभियान शुरू किया। बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, बीएसएफ जवानों के फायरिंग के बाद ड्रोन वापस उड़ गया। तीन महीने में यह तीसरी बार है जब पाकिस्तान से ड्रोन उड़े हैं। अगस्त के मध्य में पंजाब के अटारी इलाके में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास एक ड्रोन को देखने के बाद बीएसएफ ने गोलियां चलाईं। जुलाई में भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा बलों ने सीमा पार से आए एक ड्रोन का पीछा किया। घटना पठानकोट के बमियाल बॉर्डर के पास हुई। पाकिस्तान की तरफ से लगातार भारत की सीमा को पार करने की कोशिशे की जा रही हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तान में बाढ़ से तबाही मची हुई है वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान भारत से उलझने की फिराक हैं हैं। लगातार कटारी और राजस्थान सीमा पर इत तरह की हरकतें की जा रही हैं वहीं कश्मीर में भी हालात कुछ ठीक नहीं हैं। कश्मीर में आकंतियों की घुसपैठ जारी हैं। सुरक्षा बलों ने सीमाओं पर अपनी पैनी नजरें बना रखी हैं।

हैदराबाद में भगवान गणेश के लड्डू की हुई नीलामी, 24 लाख रुपये में बिका

हैदराबाद । देशभर में भगवान गणेश उत्सव की धूम देखने को मिल रही है। देश के कई इलाकों में भगवान गणेश के भव्य पंडाल देखने को मिल रहे हैं। इस बीच, हैदराबाद में भगवान गणेश जी के लड्डू की नीलामी की गई है। बालापुर गणेश का ये लड्डू 24.60 लाख रुपये में नीलाम हुआ है, इसका वजन 21 किलो है। भगवान गणेश के लड्डू को खरीदने वाले शख्स का नाम वी लक्ष्मण रेड्डी है। बिजनेसमैन लक्ष्मण बालापुर गणेश उत्सव समिति के सदस्य भी हैं।

हैदराबाद में मशहूर बालापुर गणपति भगवान के 21 किलोग्राम के लड्डू की नीलामी की गई है। इसका 24.60 लाख रुपये में ब्रिकी होना एक रिकॉर्ड है। इस साल लड्डू को बालापुर इलाके के टीआरएस नेता वांगेटी लक्ष्मा रेड्डी ने सबसे ऊंची बोली लगाकर हासिल किया है। साल 2021 में लड्डू के लिए 18.90 लाख रुपये की बोली लगाई गई थी। 2019 में लड्डू के लिए 17.60 लाख रुपये की बोली लगाई गई थी। वहीं 2018 में लड्डू को 16.60 लाख रुपये की कीमत पर नीलाम किया गया था। साल 2020 में कोरोना के कारण नीलामी रद्द कर दी गई थी और बालापुर गणेश लड्डू को मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को सौंप दिया गया था। लड्डू की नीलामी का इतिहास काफी पुराना है और यह साल 1994 से चला आ रहा है। पहले लड्डू को एक भक्त ने 450 रुपये में खरीदा था और तबसे यह परंपरा जारी है। हैदराबाद में गणपति प्रतिमा विसर्जन के लिए भारी सुरक्षा बल तैनात कर रखी है, तेलंगाना सरकार ने 9 सितंबर को छुट्टी घोषित की है।

सिर्फ राजपथ का नाम ही नहीं अंग्रेजों की कई निशानी को मिटा चुकी मोदी सरकार

नई दिल्ली । देश की राजधानी के सेंट्रल विस्टा एवेन्यू में आने वाले राजपथ का नाम बदलकर कर्तव्य पथ कर दिया गया। नई दिल्ली म्युनिसिपल कॉरपोरेशन की एक बैठक में इसको मंजूरी दी गई थी। पीएम मोदी ने कर्तव्य पथ का नामकरण और उद्घाटन भी कर दिया है। इसके साथ ही इंडिया गेट के किंग जॉर्ज पंचम वाली जगह पर अब नेताजी सुभाए चंद्र बोस की प्रतिमा भी लगा दी गई है। पीएम मोदी ने दिल्ली के इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 28 फीट ऊंची प्रतिमा को देश को समर्पित की। जहां इस साल की शुरुआत में पराक्रम दिवस के अवसर पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का उद्घाटन किया गया था। इस साल 15 अगस्त को पीएम मोदी ने 'पंच प्रण' लिया था। जिसमे उनका दूसरा प्रण देश को गुलामी की हर सोच से मुक्त कराना था। मोदी सरकार ने अपने 8 साल में ऐसा ही कुछ किया है। और इसी कड़ी में सितंबर 2022 की शुरुआत में भारतीय नौसेना को नई पहचान मिली। अब तक नौसेना के झंडे में किंग जॉर्ज का कॉर्स था जो कि अब अतीत का हिस्सा हो गया है और अब नौसेना के झंडे में शिवाजी महाराज की मोहर लगाई गई है। 2015-औरंगजेब रोड का नाम बदलकर एपीजे अब्दुल कलाम रोड कर दिया गया। 2015-पीएम आवास के रेस कोर्स का नाम कल्याण मार्ग कर दिया गया है। 2017-डलहौजी रोड का नाम बदलकर दारा शिकोह रोड कर दिया गया था।

गुलाम नबी समर्थकों ने किश्तवाड़ के मैचल माता पर लगाए होर्डिंग, हिंदूवादी संगठन भड़के, रास्ते किए जाम

श्रीनगर । वरिष्ठ कश्मारी नेता और सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस मुक्ति पा ली है। अब उनके पोस्टरों को लेकर किश्तवाड़ में विवाद खड़ा हो गया है। किश्तवाड़ जिले में बीती रात कई हिंदू संगठनों ने गुलाम नबी आजाद के पोस्टर को लेकर जमकर हंगामा और बवाल काटा। इतना ही नहीं उन्होंने रास्ता बंद कर जोरदार प्रदर्शन भी किया। दरअसल गुलाम नबी आजाद के समर्थकों ने मैचल माता की होर्डिंग पर माता की तस्वीर के उपर उनके पोस्टर चस्पा कर दिए गए थे। इस मामले को लेकर हिंदू संगठनों ने कड़ी आपत्ति जताई और इसको लेकर जबर्दस्त प्रदर्शन भी किया। सड़क जाम करते हुए हंगामा किया। बीती रात कुछ लोगो ने गुलाम नबी आजाद के पोस्टर मैचल माता की होर्डिंग पर माता की तस्वीर पर लगा दिए थे जिसको लेकर संगठनों ने जमकर हंगामा हुआ। इस हंगामे और विरोध के बीच स्थानीय पुलिस प्रशासन ने सभी पोस्टरों को उतार दिया है। उन्होंने प्रदर्शनकारी संगठनों को आश्वस्त भी किया कि वह जल्द ही इस तरह की हरकत करने वाले लोगों को गिरफ्तार करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम पर गौरक्षक दल किश्तवाड़ के प्रधान अंशु सिंह ने कहा है कि यह सब कुछ हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुचाने के लिए जानबूझ कर किया गया है। हमारी भावनाओं को आहत करने की कोशिश की जा रही है। अगर प्रशासन ने इस मामले में तुरंत एक्शन नहीं लिया तो इसका खामियाजा भुगतना होगा। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पूर्व मंत्री गुलाम मोह्मद सरुरी के इशारे पर ऐसा हुआ है। सरुरी आजाद के समर्थक माने जाते हैं। बताते चलें कि जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के इस्तीफे के बाद प्रदेश कांग्रेस से सैकड़ों नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी उनके समर्थन में पार्टी छोड़ दी है। इसके बाद कांग्रेस नेताओं ने भी जम्मू में शक्ति प्रदर्शन कर पार्टी को मजबूत रखने का संदेश दिया था। अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार जम्मू पहुंचे नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष विकार रसूल वानी, एआईसीसी की जम्मू कश्मीर मामलों की प्रभारी रजनी पाटिल के साथ कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला का सतवारी एयरपोर्ट से शहीदी चौक स्थित पार्टी मुख्यालय पर रैली की शवल में जोरदार स्वागत भी किया गया था। इस दौरान पाटिल और रसूल के निशाने पर आजाद रहे।

नवरात्रि के पहले दिन अहमदाबाद को मिलेगी मेट्रो ट्रेन की भेंट, पीएम मोदी करेंगे उदघाटन

अहमदाबाद । शारदीय नवरात्रि के पहले दिन अहमदाबाद शहर को मेट्रो ट्रेन की भेंट मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 26 सितंबर को अहमदाबाद में मेट्रो ट्रेन के दूसरे फेज का लोकार्पण करेंगे। वस्त्राल-थलतेज और एपीएमसी-मोटेरा रूट बनकर तैयार हो गया है और इस रूट पर पीएम मोदी मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। गुजरात विधानसभा के आगामी चुनाव के चलते प्रधानमंत्री समेत केन्द्रीत नेताओं के लगातार गुजरात दौरे हो रहे हैं। इस महीने में प्रधानमंत्री दो बार गुजरात दौरे पर आएंगे। पीएम मोदी कल यानी 10 सितंबर को गुजरात आ रहे हैं और उसके बाद 26 सितंबर को आएंगे। पीएम मोदी के 10 सितंबर के दौरे की बात करें तो कल वह अहमदाबाद में सायंस एन्ड टेक्नोलोजी मंत्री परिषद का उदघाटन करेंगे। दो दिवसीय इस परिषद में सभी राज्यों के सायंस एन्ड टेक्नोलीजी मंत्री और सचिव शामिल होंगे। जिसके बाद पीएम मोदी 26 सितंबर यानी नवरात्रि के पहले दिन गुजरात आएंगे। नवरात्रि के पहले दिन पीएम मोदी अहमदाबाद को मेट्रो ट्रेन की भेंट देंगे। अहमदाबाद में वस्त्राल-थलतेज और एपीएमसी-मोटेरा का रूट तैयार हो गया है। इस रूट पर 3 कोच के साथ मेट्रो ट्रेन प्रति घंटे 80 किलोमीटर की रफ्तार से दौड़ेगी। मेट्रो ट्रेन में प्रति दिन औसत 40 हजार जितने यात्री सफर कर सकेंगे। मेट्रो ट्रेन एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन के बीच की दूरी डेढ़ मिनट में तय करेगी। अहमदाबाद में फिलहाल वस्त्राल से एपरल पार्क तक मेट्रो ट्रेन सेवा चल रही है। आगामी 26 सितंबर से वस्त्राल से थलतेज और एपीएमसी से मोटेरा के बीच मेट्रो ट्रेन दौड़ने लगेगी।

विपक्षी एकता पर सुशील मोदी बोले, सभी लोग मिल जाएंगे तो भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

2024 चुनाव को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। सत्तारूढ़ भाजपा की ओर से तो यह साफ है कि प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार इस बार भी नरेंद्र मोदी होंगे। तो वही विपक्ष की ओर से कौन होगा। विपक्ष के कई नेता लगातार पीएम पद की दावेदारी के लिए खुद को मजबूत करने में जुटे हुए हैं। नीतीश कुमार के पाला बदलने और राजद तथा कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाने के बाद वह भी विपक्ष की ओर से पीएम पद की रेस में शामिल हो गए हैं। हाल में ही वह दिल्ली दौरे पर पहुंचे थे जहां उन्होंने विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकात की थी। इन सबके बीच बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी ने साफ तौर पर कहा है कि विपक्ष के सभी लोग एक साथ भी मिल जाए तो भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर सकते।

सुशील मोदी का बयान

अपने बयान में सुशील मोदी ने कहा कि हर कोई दावेदारी कर रहा है। राहुल जी अलग यात्रा निकाल रहे हैं, अरविंद केजरीवाल अलग यात्रा निकाल रहे हैं। नीतीश जी राजनीतिक पर्यटन पर निकले हैं। ये सभी लोग मिल जाएंगे तो भी नरेंद्र मोदी का मुकाबला नहीं कर पाएंगे। सुशील मोदी का यह बयान ममता बनर्जी की उस टिप्पणी पर आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि 2024 में हम बंगाल से एक खेल की शुरूआत करेंगे। हेमंत (सोरेन), अखिलेश (यादव), नीतीश (कुमार), मैं और अन्य साथी एकजुट होंगे, फिर वे (भाजपा) सरकार कैसे बनाएंगे? भाजपा सरकार की कोई जरूरत नहीं है।

विजय सिन्हा का बड़ा आरोप

इन सबके बीच बिहार में भाजपा के वरिष्ठ नेता और नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने नीतीश सरकार पर आरोप लगाया है। विजय सिन्हा ने साफ तौर पर कहा है कि बिहार में जल्द ही लालू यादव खुद की सरकार बनाएंगे। उन्होंने दावा किया कि लालू यादव बिहार में रिमोट से सरकार चला रहे हैं। अपने आरोप में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना दिखाकर लालू यादव जल्द ही नीतीश कुमार को बाहर करेंगे। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि नीतीश सरकार को लालू यादव रिमोट कंट्रोल से चला रहे हैं।

कैप्टन अमरिंदर अपनी पार्टी का भाजपा में कर सकते हैं विलय, शाह और नड्डा से करेंगे मुलाकात

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पंजाब की सियासत में आप पार्टी की सत्ता है। ऐसे में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह शुक्रवार दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर सकते हैं। मुलाकात के दौरान पंजाब लोक कांग्रेस की भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में विलय पर भी चर्चा हो सकती है। नड्डा और शाह से मिलने के पहले अमरिंदर सिंह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मुलाकात कर चुके हैं। पार्टी के बड़े नेताओं की कैप्टन अमरिंदर सिंह से मुलाकात को 2024 के लोकसभा चुनावों से जोड़कर देखा जा रहा है, जहां पार्टी पहले से अधिक सीट जीतने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही है।

अगर पंजाब लोक कांग्रेस का भाजपा में विलय होता है तो पार्टी अमरिंदर सिंह को पंजाब में बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। आम आदमी पार्टी के उदय के बाद सभी पार्टियां फिर से राज्य में जमीन तलाशने की नई संभावनाओं पर विचार कर रही हैं। ऐसे में कांग्रेस को दो बार सत्ता में ला चुके कैप्टन भाजपा के लिए बड़ी उपलब्धि बन सकते हैं। साथ ही भाजपा की बड़े सिख चेहरे की तलाश भी पूरी हो सकती है। विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की जबरदस्त जीत के आगे बड़े-बड़े नेताओं ने घुटने टेक दिए थे। ऐसे में लोकसभा चुनाव में स्थिति अलग होने के कारण भाजपा को उम्मीद है कि राज्य में वह अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। किसान आंदोलन ने भी राज्य में भाजपा की छवि को खासा नुकसान पहुंचाया है। हालांकि पार्टी को उम्मीद है कि मोदी के चेहरे पर लोकसभा चुनाव के नतीजे उसके अनुकूल आ सकते हैं।

'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान राहुल गांधी की टी-शर्ट की कीमत को लेकर भाजपा हमलावर

भाजपा का दावा- राहुल ने पहनी 41 हजार की टी-शर्ट, पलटवार में कांग्रेस ने कहा- मोदी जी के 10 लाख के सूट...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की राजनीति में भाजपा और कांग्रेस के बीच वार पलटवार का दौर लगातार जारी रहता है। इन सब के बीच एक बार फिर से भाजपा ने राहुल गांधी को लेकर बड़ा आरोप लगा दिया है। दरअसल, भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने पदयात्रा के दौरान 41257 हजार की टीशर्ट पहनी है। आपको बता दें कि कांग्रेस फिलहाल भारत जोड़ो यात्रा कर रही है जिसका नेतृत्व राहुल गांधी कर रहे हैं। आज भारत जोड़ो यात्रा का तीसरा दिन है। कांग्रेस का भारत जोड़ो यात्रा 150 दिनों तक चलेगा। यह यात्रा 3500 किलोमीटर की होगी। इस यात्रा को लेकर भाजपा लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है।

राहुल के टी-शर्ट को लेकर भाजपा के दावे पर कांग्रेस की ओर से पलटवार किया गया है। कांग्रेस ने साफ तौर पर कहा कि अब मोदी जी के 10 लाख के सूट और 1.5 लाख के चश्मे की बात की जाएगी। दरअसल, भाजपा ने अपने ट्वीट में राहुल गांधी की तस्वीर के साथ टी-शर्ट की तस्वीर को साझा करते हुए लिखा था 'भारत, देखो!' इसके जवाब में कांग्रेस ने अपने ट्वीट में लिखा कर अरे... घबरा गए क्या? भारत जोड़ो यात्रा में उमड़े जनसैलाब को देखकर। मुद्दे की बात करो... बेरोजगारी और महंगाई पर बोलो। बाकी कपड़ों पर चर्चा करनी है तो मोदी जी के 10 लाख के सूट और 1.5 लाख के चश्मे तक बात जाएगी। बताओ करनी है?

कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि ऐसे तो तरस आता है.. कन्याकुमारी-कश्मीर, अब तक की सबसे बड़ी भारत जोड़ो यात्रा का जवाब, केंद्र की सत्ताधारी पार्टी के पास एक 'टी-शर्ट' है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में जब एक दल देश को एकजुट कर रहा है तो बाँटने वाला दल अभी भी टी-शर्ट और खाकी निक्कर में लटका है। डर अच्छा लगा..। आज 'भारत जोड़ी यात्रा' के दौरान तमिलनाडु में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा था कि भाजपा ने इस देश के सभी संस्थानों को अपने नियंत्रण में ले लिया है और उनके माध्यम से दबाव डाल रही है ... हम अब एक राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं। अब यह लड़ाई भारतीय राज्यों की संरचना और विपक्ष के बीच है।

नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी व उनके खिलाफ कार्रवाई के आदेश वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार किया। बता दें कि नुपुर शर्मा ने पैगंबर मोहम्मद साहब के खिलाफ बयान दिया था जिसके बाद मुसलमान समुदाय की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया गया था।

बता दें कि नुपुर ने टीवी चैनल पर बहस के दौरान पैगंबर मोहम्मद के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी जिसके बाद देश के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन हुए थे। भाजपा ने नुपुर को पार्टी से निलंबित कर दिया था। इसके बाद शीर्ष अदालत की इसी पीठ ने एक जुलाई को नुपुर की उनकी टिप्पणी के लिए कड़ी आलोचना की थी।

इसके पहले अगस्त की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी के मामले में भाजपा की पूर्व नेता नुपुर शर्मा को बड़ी राहत दी थी। कोर्ट ने नुपुर शर्मा के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज सभी प्राथमिकियों को एक साथ संलग्न करके दिल्ली ट्रांसफर कर दिया था। कोर्ट के अनुसार दिल्ली पुलिस सभी मामलों की जांच करेगी और तब तक नुपुर शर्मा को गिरफ्तारी से मिला संरक्षण जारी रहेगा।

बिहार में 'जंगल राज' की वापसी को नीतीश ने नकारा, बोले- 'जनता राज' है

पटना (एजेंसी)।

बिहार में सुशासन बाबू के राज में फिर अपराधियों बढ़ते हौंसले को लेकर विपक्ष के आरोपों को नकारते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रदेश में 'जंगल राज' की वापसी के विपक्ष के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि यहां 'जंगल राज' नहीं 'जनता राज' चल रहा है। उन्होंने कहा, 'अगर यहां कोई घटना हुई है तो आप जरा बता दीजिये कि इस दुनिया में कोई देश या राज्य है जहां पर कोई आपस में झंझट नहीं करता। कुछ अलग सोच वाले हैं और हमलोग काम करने वाले हैं। समाज के हर तबके को एकजुट करना हमारा दायित्व है।'

विपक्षी एकता पर दिल्ली के दौरे से लौटे नीतीश गया में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। वहां से पटना वापसी पर हवाई अड्डे पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, 'दिल्ली में जिन लोगों से मुझे मिलना था, उन सभी से मुलाकात हुई। राहुल गांधी से भी बहुत अच्छी बातचीत हुई। सोनिया गांधी अभी देश से बाहर हैं, वे जब दिल्ली आ जाएंगी तो हम उनसे मिलने जाएंगे। कांग्रेस के अलावा भाकपा, माकपा, भाकपा माले समेत अन्य पार्टियों के नेताओं से बात हुई।

राजग से अलग होने का हमने जब निर्णय लिया तो अनेक दलों के नेताओं ने फोन किया था। सभी लोगों से अच्छी बातचीत हुई है। नीतीश ने कहा, 'बिहार में जब हमलोग भाजपा से अलग हुये तो सात पार्टियां एक साथ हो गईं और अब यहां विपक्ष में भाजपा अकेली पार्टी है।' पश्चिम बंगाल और ओडिशा दौरे के संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी से फोन पर बात हुई है। आगे जब बातचीत होगी तो हम मिलने जाएंगे।' राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बारे में पूछे जाने पर नीतीश ने कहा, 'वह (राहुल गांधी) अपनी पार्टी के काम में लगे हैं, यह खुशी की बात है। वह अपने ढंग से काम कर रहे हैं। दिल्ली में हमारी बातचीत लोकसभा चुनाव को लेकर हुई है। की दूसरी टू प्लस टू लेवल बातचीत का। दोनों देशों की दोस्ती की ये तस्वीरें आने वाले दिनों में चीन की नींद उड़ाने वाली हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बंद करने के निर्देश से क्षेत्र पर पड़ेगा विपरीत असर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की सर्वोच्च अदालत ने कहा कि तमिलनाडु में कुडनकुलम परमाणु ऊर्जा संयंत्र (केकेएनपीपी) को सुरक्षा कारणों से बंद करने के आदेश का परमाणु क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, जिसमें इस क्षेत्र में भारी निवेश भी शामिल है। शीर्ष अदालत, रिएक्टर के खर्च किए गए परमाणु ईंधन के भंडारण के लिए 'अवे फ्रॉम रिएक्टर फैसिलिटी' (एएफआर) स्थापित करने के अनुरोध वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) को दो सप्ताह के भीतर एक हलफनामा दाखिल करने के लिए कहा।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ को एईआरबी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी ने बताया कि उन्हें अभी इस मुद्दे पर निर्देश मिला है, जो काफी संवेदनशील है और वह इसे शपथपत्र के जरिए अदालत के समक्ष रखना चाहते हैं। शीर्ष अदालत ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता वी गिरि से एएफआर के मुद्दे पर जनसुनवाई को पूरा करने के लिए एक अर्जी दायर करने को भी कहा। शुरुआत में, मूल याचिकाकर्ता जी सुंदरराजन और अन्य की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि सुरक्षा चिंता के कारण संयंत्र को स्थानांतरित या बंद करने की आवश्यकता है क्योंकि यह न केवल तमिलनाडु के लोगों के लिए बल्कि पूरे दक्षिण भारत के लिए खतरनाक होगा। हालांकि, पीठ ने कहा, 'अदालत द्वारा परमाणु ऊर्जा संयंत्र को बंद करने का आदेश देने से परमाणु क्षेत्र और क्षेत्र में किए गए भारी निवेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।'

भूषण ने कहा कि हाल के दिनों में छोटी-मोटी दुर्घटनाओं के कारण 20 बार संयंत्र बंद किया जा चुका है और भगवान न करे, कोई बड़ा हादसा हो जाए तो कुछ नहीं बचेगा। उन्होंने कहा कि परमाणु संयंत्र अधिक से अधिक खर्च किए गए ईंधन का निर्माण कर रहा है, जो क्षेत्र में रहने वाली आबादी के लिए खतरनाक है। उन्होंने दलील दी कि खर्च किए गए ईंधन के विशाल भंडार को पानी के भीतर विशाल टैंकों में संग्रहित किया जा रहा है जो रिएक्टर में उपयोग किए जाने वाले ईंधन से अधिक है और यदि कोई दुर्घटना होती है, तो यह ईंधन क्षेत्र की पूरी आबादी के लिए खतरनाक होगा।

भूषण ने कहा, 'यह एक और फुकुशिमा परमाणु संयंत्र (जापान का) त्रासदी जैसा (2011 का) होगा।' न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि अदालत में जो परिदृश्य बनाया जा रहा है, वह वास्तव में हकीकत नहीं है। मेहता ने कहा, ''खर्च किया गया ईंधन किसी तरल रूप या गैसीय रूप में नहीं बल्कि ठोस रूप में होता है और पानी से भरे विशाल टैंकों में संग्रहीत किया जाता है जहां से आवश्यकता पड़ने पर इसे फिर से उपयोग में लाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।

ये विशाल पानी के टैंक परमाणु संयंत्र में नहीं बल्कि परमाणु संयंत्र परिसर में हैं। यह आबादी के लिए उतना खतरनाक नहीं है जितना कि अनुमान लगाया गया है, अन्यथा, सरकार इसे जारी रखने की अनुमति नहीं देती।' पीठ ने मेहता से पूछा कि खर्च किए गए परमाणु ईंधन के सुरक्षित भंडारण के लिए 'अवे फ्रॉम रिएक्टर फैसिलिटी' (एएफआर) का निर्माण अदालत के आदेश के बावजूद क्यों नहीं किया गया।

भारत-जापान की दोस्ती की तस्वीर देख सहम जाएगा ड्रैगन

-अब हिमाकत पर चीन को मिलेगा करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)।

जापान और भारत के बीच एक तस्वीर का ध्यान वैश्विक स्तर चर्चा में है तो दूसरी ओर ड्रैगन की हवाइयां उड़ी हुई हैं। यह करिश्मा जापान की राजधानी टोक्यो का है जहा गर्मजोशी से मिलते दो हाथ। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा बीच में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ये हाथ तो टोक्यो में मिल रहे हैं लेकिन बेचैनी बीजिंग में महसूस हो रही है।

फोटो में हाथ उठा अभिवादन करते जापीनी पीएम। एक ओर भारत के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री। दूसरी तरफ जापान के उनके समकक्ष। नमस्ते की मुद्रा। चेहरों पर मुस्कान को पढ़िए। मौका था भारत और जापान के बीच रक्षा और विदेश मंत्रियों

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के आक्रामक और विस्तारवादी रवैये पर भारत और जापान पैनी नजर रखे हुए हैं। यही वजह है कि दोनों देश जल्द ही पहली बार हवा में दहाड़ेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अपने जापानी समकक्ष यासुकाजु हमादा से अलग से भी मिले। दोनों देशों ने रक्षा साझीदारी और बढ़ाने पर जोर दिया जो मुक्त, खुला और नियम-आधारित हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान एयर कॉम्बैट एक्सर्साइज पर मुहर लगी। जल्द ही दोनों देशों के लड़ाकू विमान गरजेंगे और युद्ध कौशल का मुजाहिरा करेंगे। रक्षा के क्षेत्र में सहयोग और मजबूत किए जाएंगे। दोनों देश मिलकर अत्याधुनिक वेपन सिस्टम विकसित करेंगे। भारत और जापान के रक्षा मंत्री जॉइंट एयर कॉम्बैट एक्सर्साइज के लिए न सिर्फ राजी हुए बल्कि जल्द ही इसे शुरू करने और नियमित करने की मंशा भी जाहिर कर चुके हैं। भारत और जापान की आर्मी पहले से ही नियमित तौर पर 'धर्म गार्जियन' एक्सर्साइज करती रही हैं। दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच भी युद्धाभ्यास होता रहा है। इसके अलावा जापानी नेवी ने इस साल मार्च में विशाखापत्तनम में हुए बहुराष्ट्रीय 'मिलन नौसैनिक अभ्यास' में भी हिस्सा लिया। जापान पहले से ही भारत-अमेरिका के बीच 'मालाबार' नौसैनिक युद्धाभ्यास का हिस्सा है। 2015 में वह इसमें शामिल हुआ। अब तो ऑस्ट्रेलिया भी मालाबार एक्सर्साइज का हिस्सा है। इन सबके बीच अब दोनों देशों की एयर फोर्स के बीच पहली बार एयर कॉम्बैट एक्सर्साइज लगातार मजबूत होते रक्षा संबंधों की बानगी है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक हरकतों पर 'क्वॉड' में शामिल चौकड़ी भी पैनी नजर रखी हुई है। संदेश साफ है- चीन अगर किसी भी तरह की हिमाकत करता है तो करारा जवाब मिलेगा। 2+2 बातचीत के बाद भारत-जापान की तरफ से आया संयुक्त बयान सीधे-सीधे चीन को चेतावनी है। टोक्यो ने कहा है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हर विकल्प को आजमाने के लिए प्रतिबद्ध है जिसमें 'काउंटर-स्ट्राइक' कैपबिलिटीज भी शामिल हैं। यानी अगर जरूरत पड़ी तो जवाबी हमले की मुकम्मल तैयारी। बयान में कहा गया है, 'जापानी पक्ष ने अगले 5 साल के भीतर अपनी रक्षा क्षमताओं को पूरी तरह मजबूत करने का अडिग इरादा जाहिर किया है। इसके लिए रक्षा बजट में खासी बढ़ोतरी की जाएगी।' पूर्वी लद्दाख सेक्टर में एलएसी पर पिछले दो साल से ज्यादा वक्त से भारत और चीन में तनातनी चल रही है। हालांकि, कुछ इलाकों से दोनों देशों की सेनाएं वापस लौटी हैं लेकिन तनाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। दूसरी तरफ चीन दक्षिण चीन सागर में भी लगातार आक्रामक बना हुआ है। पड़ोसी ताइवान को धमका रहा है। उसके वायुक्षेत्र में अपने लड़ाकू विमान भेजकर धौंस दिखा रहा है। इससे जापान भी सतर्क है और अपनी सैन्य क्षमता को बढ़ा रहा है ताकि ताइवान जलडमरूमध्य में अगर चीन कोई खुराफात करे तो उसका जवाब दिया जा सके।

चीनी मिल भ्रष्टाचार मामले में पाक पीएम शाहबाज और उनके बेटे हमजा को मिली राहत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को 2019 के भ्रष्टाचार के एक मामले में बड़ी राहत मिली जब एक जवाबदेही अदालत ने आगे की कार्यवाही रोक दी और देश के जवाबदेही कानूनों में बदलाव के बाद इसे भ्रष्टाचार रोधी निकाय को वापस भेज दिया। राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) ने फरवरी 2019 में शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज किया था। एनएबी ने आरोप लगाया कि पंजाब के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान शहबाज ने अपने अधिकार का दुरुपयोग किया और अपने बेटों के स्वामित्व वाली रमजान चीनी मिल को लाभ पहुंचाने के संबंध में आदेश दिए थे। एनएबी ने कहा कि इस कदम से राष्ट्रीय खजाने को 21.3 करोड़ पाकिस्तानी रुपये (लगभग 9,48,565 डॉलर) का नुकसान हुआ। प्रधानमंत्री के वकील अमजद परवेज ने बृहस्पतिवार को पीटीआई-को बताया, ''रमजान चीनी मिल का यह मामला प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ एक तरह से बंद कर दिया गया है क्योंकि यह अब संसद द्वारा पारित एनएबी कानूनों में संशोधन के आलोक में जवाबदेही अदालत के क्षेत्र में नहीं आता है।'' उन्होंने कहा कि बुधवार को जवाबदेही अदालत, लाहौर ने शहबाज और हमजा के खिलाफ रमजान चीनी मिल मामले में कार्यवाही रोक दी और इसे वापस एनएबी को भेज दिया। परवेज ने कहा, ''संशोधित एनएबी कानूनों के तहत अब जवाबदेही अदालत ऐसे मामले की सुनवाई नहीं कर सकती है जिसमें 50 करोड़ पाकिस्तानी रुपये से कम का भ्रष्टाचार किया गया हो। इस मामले में शहबाज और उनके बेटे हमजा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप 20 करोड़ रुपए से कुछ अधिक के हैं।'' पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आरोप लगाया था कि शहबाज नीत सरकार ने एनएबी कानूनों में बदलाव केवल उन्हें, उनके परिवार और अन्य नेताओं को लाभ देने के लिए किया है जिन्हें भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में नामजद किया गया है। खान ने इन संशोधनों को अदालत में चुनौती दी है। बुधवार को, प्रधानमंत्री शहबाज और उनके बेटे हमजा ने अपने खिलाफ करोड़ों डॉलर के धन शोधन मामले में भी बरी किए जाने का अनुरोध किया। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की विशेष अदालत 14 अरब पाकिस्तानी रुपये के धन शोधन मामले में शहबाज-हमजा को आरोपी करार देने वाली थी लेकिन उनके वकील ने अदालत को बताया कि उनके मुवक्किलों ने बरी करने के लिए एक याचिका दायर की है। बरी करने के अनुरोध वाली याचिका पर 17 सितंबर को सुनवाई होगी।

भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला को फोन पर मिले नफरत भरे संदेश

वाशिंगटन। भारतीय-अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल को फोन पर आपत्तिजनक और नफरत भरे संदेश मिले हैं। जयपाल ने पांच ऐसे ऑडियो संदेशों को सोशल मीडिया पर साझा किया। इस संदेश के उन हिस्सों को संपादित किया गया है, जिनमें अभद्र बातें की गई हैं। इस संदेश में सुना जा सकता है कि एक पुरुष जयपाल को गंभीर परिणाम भुगतने और अपने मूल देश भारत वापस जाने की धमकी दे रहा है। जयपाल ने ट्वीट किया, मैंने यहां ऐसा करने विकल्प चुना, क्योंकि हम हिंसा को हमारे लिए नई आम बात के रूप में स्वीकार नहीं कर सकते। हम उस नस्लवाद और लिंगवाद को भी स्वीकार नहीं कर सकते जो इस हिंसा में अंतर्निहित है और इसे प्रोत्साहित करता है। इससे पहले गर्मियों में एक व्यक्ति ने सिएटल में स्थित सांसद के आवास के बाहर पिस्तौल दिखाई थी। पुलिस ने इस व्यक्ति की पहचान ब्रेट फोरसेल (49) के रूप में की थी, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया था।

चार्ल्स के सिंहासन पर बैठते ही राष्ट्रगान, नोट, सिक्के, पोस्टल स्टैंप, पोस्टबॉक्स और पासपोर्ट में होगा बदलाव

लंदन। चार्ल्स के सिंहासन पर बैठने के साथ ही ब्रिटेन और उसके बाहर, जीवन से जुड़े कई पहलू बदल जाएंगे, जिसमें राष्ट्रगान, नोट, सिक्के, पोस्टल स्टैंप, पोस्टबॉक्स और पासपोर्ट तक शामिल हैं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के परिणामस्वरूप पूरे यूनाइटेड किंगडम और कॉमननवेल्थ में संस्थानों के नाम में परिवर्तन होगा। क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय की जगह मुद्रा और प्रतीक चिह्न पर नए राजा की प्रतिकृति लगानी पड़ेगी। यूके और अन्य कई देशों के सिक्कों और बैंक नोटों पर अब किंग चार्ल्स की प्रतिकृति दिखनी शुरू होगी। यह परिवर्तन ईस्ट कैरेबियन के साथ, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड सहित अन्य देशों की मुद्राओं पर भी दिखाई देगा। रिपोर्ट के अनुसार, अभी 4.5 बिलियन स्टर्लिंग बैंक नोट प्रचलन में हैं, जिन पर क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय का चेहरा है। इसका कुल मूल्य 80 बिलियन यूरो है। इन्हें नए सम्राट के चेहरे के साथ बदलने में कम से कम 2 साल लगने की उम्मीद है। हाल ही में, जब 50 यूरो के नए सिंथेटिक नोट जारी किए गए, तब बैंक ऑफइंग्लैंड को सर्कुलेशन वाली करेंसी को वापस लेने और उन्हें नए नोटों से बदलने में 16 महीने लगे थे। वर्ष 1952 में जब रानी गद्दी पर बैठीं, तब बैंक नोटों पर उनकी तस्वीर नहीं छपी थी। यह स्थिति 1960 में बदल गई, जब एलिजाबेथ द्वितीय का चेहरा बैंक नोट डिजाइनर रॉबर्ट ऑस्टिन द्वारा डिजाइन किये गए पाउड 1 के नोट पर दिखाई देने लगा। कनाडा में 20 डॉलर के कुछ नोटों, न्यूजीलैंड के सिक्कों और सेंट्रल बैंक ऑफ ईस्टर्न कैरेबियन, साथ ही कुछ अन्य राष्ट्रमंडल देशों द्वारा जारी किए गए सिक्कों और बैंक नोटों पर रानी का चेहरा दिखाई देता है। ब्रिटेन का राष्ट्रगान 'गॉड सेव द क्वीन' से अब 'गॉड सेव द किंग' में बदल जाएगा। वर्ष 1952 से 'गॉड सेव द क्वीन' ही गाया जा रहा है, क्योंकि किंग जॉर्ज की मौत के बाद एलिजाबेथ द्वितीय क्वीन बनीं और 8 सितंबर, 2022 तक सिंहासन पर विराजमान रहीं। इस तरह करीब 70 साल बाद कोई पुरुष (किंग चार्ल्स) ब्रिटेन की राजगद्दी पर बैठेगा। यह न्यूजीलैंड का भी राष्ट्रगान है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा का रॉयल एंथम है।

कॉरपोरेट युद्ध में बदल गया ट्विटर का सौदा

- मस्क के वकील ने कहा- ट्विटर ने व्हिसलब्लोअर को चुप रहने के लिए 55 करोड़ दिए

वाशिंगटन। ट्विटर का सौदा अब कॉरपोरेट युद्ध में बदल गया है। इसमें लगातार कोई न कोई विवाद की खबर आती रही है। अब हाल ही में एलन मस्क के वकील ने आरोप लगाया है कि ट्विटर ने एक व्हिसलब्लोअर को चुप रहने के लिए लगभग 55 करोड़ रुपए (70 लाख डॉलर) दिए थे। यह भुगतान इसलिए किया गया क्योंकि इस व्हिसलब्लोअर ने ट्विटर की परिचालन समस्याओं को लेकर सवाल खड़े किए थे। ट्विटर और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क के बीच 44 अरब डॉलर की डील टूटने के बाद यह मामला कोर्ट में चला गया है। अब आए दिन इस मामले में दोनों पक्ष एक दूसरे के खिलाफ कुछ न कुछ खुलासा या बयान देता रहता है। इस डील की पिछली सुनवाई छह सितंबर को हुई थी। इस दौरान मस्क के वकील एलेक्स स्पिरो ने कहा कि एक व्हिसलब्लोअर पीटर जाटको को शांत रहने के लिए 70 लाख डॉलर का भुगतान किया गया है। ट्विटर के प्रतिनिधियों ने पिछले दिनों कंपनी के पूर्व सुरक्षा प्रमुख जाटको को 70 लाख डॉलर के भुगतान को लेकर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने इस मामले को लेकर रिपोर्ट प्रकाशित की थी। अखबार ने मामले से परिचित अज्ञात लोगों का हवाला देते हुए कहा कि यह भुगतान जाटको के ट्विटर छोड़ने के बाद एक समझौते के तहत दिया गया था। इस डील के मुताबिक जाटको सार्वजनिक रूप से कहीं कुछ नहीं बोलना था लेकिन वे सरकारी व्हिसल-ब्लोअर के रूप में काम कर सकते थे। ट्विटर डील से जब मस्क पीछे हटे तो उन्होंने फर्जी अकाउंट्स को लेकर सवाल उठाया। अब यह मामला उसी कड़ी से मिलता हुआ दिख रहा है। जिस जाटको को भगतान करने का आरोप लगा है वो ट्विटर का पूर्व सुरक्षा अधिकारी है। अब व्हिसलब्लोअर बने पीटर जाटको का कहना है कि ट्विटर ने अमेरिकी नियामकों को फर्जी खातों व हैकरों के खिलाफ सुरक्षा को लेकर गुमराह किया। पीटर ने 84 पन्नों की शिकायत में कहा है कि ट्विटर द्वारा यूजर्स के डाटा की मजबूत सुरक्षा व्यवस्था का दावा झूठा था। बीते माह अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग, संघीय व्यापार आयोग और न्याय विभाग में दर्ज कराई शिकायत में जाटको ने कहा है कि ट्विटर ने स्वचालित बॉट्स की संख्या कम बताई। इसके साथ ही कंपनी फर्जी खातों व बॉट्स से निपटने के मुकाबले यूजर्स बढ़ाने को प्राथमिकता देती है। कंपनी की प्राथमिकता में सुरक्षा सबसे नीचे है।

यूएनओ ने ऑस्ट्रिया के वोल्कर टर्क को सौंपी मानवाधिकार प्रमुख की कमान

जिनेवा। वैश्विक निगरानी संगठन संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ऑस्ट्रिया के वरिष्ठ राजनयिक वोल्कर टर्क को वैश्विक निकाय के मानवाधिकार प्रमुख पद की कमान सौंपी है। उनकी नियुक्ति ऐसे वक्त में हुई है, जब संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय चीन पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का आरोप लगाने के लिए उसकी आलोचनाओं का सामना कर रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने बुधवार देर रात टर्क को अपना शीर्ष नीति प्रमुख नामित किया और 193 सदस्यीय महासभा ने गुरुवार को सर्वसम्मति से उनकी नियुक्ति को फौरन मंजूरी दे दी।

लंदन में महारानी एलिजाबेश के निधन के बाद बकिंघम पैलेस के बाहर एकत्र लोग।

बाइडन, गुतारेस सहित दुनिया भर के नेताओं ने महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर शोक जताया

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन पर बृहस्पतिवार को दुनिया भर के नेताओं ने शोक जताया और उन्हें 'सहृदय' महारानी बताते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 1982 में महारानी के साथ अपनी पहली मुलाकात और 2021 में ब्रिटेन यात्रा के दौरान महारानी की मेजबानी को याद किया। बाइडन ने कहा, ''उन्होंने अपनी हाजिरजवाबी से हमें प्रभावित किया, दयालुता से हमारा दिल जीत लिया और खुले दिल से अपने अनुभव हमारे साथ बांटे। 9/11 के बाद हमारे सबसे बुरे वक्त में वह अमेरिका के साथ एकजुट होकर खड़ी रहीं, उन्होंने हमें याद दिलाया कि ''तकलीफ वह कीमत है जो हम प्यार के लिए चुकाते हैं।'' वहीं, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ले कहा कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन से वह बहुत दुखी हैं। उन्होंने महारानी के परिवार, ब्रिटेन की सरकार, जनता के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन की सबसे ज्यादा उम्र की और देश पर सबसे लंबा शासन करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को दुनिया भर में उनके दया भाव, गरिमा और समर्पण के लिए जाना जाता है। दशकों की उनकी मौजूदगी को देखा जा सकता है, फिर चाहे पर अफ्रीका और एशिया से औपनिवेशिक शासन का खात्मा हो या फिर राष्ट्रमंडल देशों का विकास।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि महारानी एलिजाबेथ द्वितीय सार्वजनिक जीवन में गरिमा और शालीनता की प्रतिमूर्ति रहीं और उनके साथ 2015 तथा 2018 में हुई यादगार मुलाकातों को याद किया।

ब्रिटेन- महारानी के अंतिम संस्कार के बाद सात दिन तक शाही परिवार मनाएगा शोक

लंदन (एजेंसी)।

ब्रिटेन के शाही परिवार ने ऐलान किया है कि बकिंघम पैलेस महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक शाही परिवार शोक मनाएगा। ब्रिटेन में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी एलिजाबेथ द्वितीय का 70 साल तक शासन करने के बाद गुरुवार को स्कॉटलैंड के बाल्मोरल कैसल में निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। महारानी के अंतिम संस्कार की तारीख अभी तक निर्धारित नहीं हुई है। बकिंघम पैलेस ने एक बयान में कहा, 'महारानी के निधन के बाद राजा की इच्छा है कि शाही शोक की अवधि महारानी के अंतिम संस्कार के सात दिन बाद तक रहेगी।'

राष्ट्रीय शोक से अलग शाही शोक की अवधि में शाही परिवार के सदस्य, परिवार के कर्मचारी और आधिकारिक ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के साथ रस्मी ड्यूटी के लिए तैनात जवान शोक मनाएंगे। राष्ट्रीय शोक के विवरण के बारे में सरकार के शुक्रवार को घोषणा करने की संभावना है। दो सप्ताह के भीतर वेस्टमिंस्टर एब्बे में महारानी का राजकीय तरीके से अंतिम संस्कार होने की संभावना है। उपयुक्त दिन की पुष्टि बकिंघम पैलेस द्वारा की जाएगी। शुक्रवार को सेंट पॉल कैथेड्रल में महारानी की याद में प्रार्थना सभा आयोजित होगी, जिसमें प्रधानमंत्री लिज ट्रस और अन्य वरिष्ठ मंत्री शामिल होंगे। चूंकि स्कॉटलैंड में महारानी का निधन हुआ, इसलिए उनका ताबूत एडिनबर्ग में सेंट जाइल्स कैथेड्रल में रखा रहेगा। जनता को कुछ दिनों के बाद ताबूत देखने की अनुमति दी जा सकती है।

इसके बाद ताबूत को लंदन ले जाया जाएगा, जहां लोगों को वेस्टमिंस्टर हॉल में चार दिनों की अवधि में श्रद्धांजलि की इजाजत होगी। राजा चार्ल्स शुक्रवार को ब्रिटिश प्रधानमंत्री ट्रस के साथ अपना पहला संबोधन देंगे, जिसके बाद एक संयुक्त संसद सत्र महारानी को श्रद्धांजलि अर्पित करेगा। संसद की 10 घंटे की बैठक के दौरान पूरी तरह से महारानी पर ध्यान केंद्रित करने के साथ, सरकार का नियमित कामकाज रुक जाता है, जब तक कि कुछ भी जरूरी नहीं होता है। मध्य लंदन में, महारानी के जीवन के प्रत्येक वर्ष के लिए 96 राउंड तोपों की सलामी दी जाएगी। इस दौरान चर्च की घंटियां भी बज उठेंगी। इंग्लैंड के चर्च ने पूरे देश में पैरिश, चैपल और कैथेड्रल को परामर्श भेजकर उन्हें प्रार्थना या विशेष सभाओं के लिए खोलने को कहा है।

ट्रस और वरिष्ठ मंत्री मध्य लंदन में सेंट पॉल कैथेड्रल में महारानी की याद में प्रार्थना सभा में भाग लेंगे और फिर सरकार राष्ट्रीय शोक की अवधि की पुष्टि करेगी, जो कि लगभग 12 दिनों तक रहने का अनुमान है। यह अवधि अब से लेकर महारानी के अंतिम संस्कार के अगले दिन तक की होगी। अंतिम संस्कार के दिन राष्ट्रीय शोक दिवस के रूप में सार्वजनिक अवकाश होगा।

ऑपरेशन लंदन ब्रिज के तहत आगामी दिनों के लिए पूर्व निर्धारित कार्यक्रम पर हस्ताक्षर करने को लेकर चार्ल्स, नॉरफॉक के ड्यूक अर्ल मार्शल से मिलेंगे, जो रानी के अंतिम संस्कार के प्रभारी हैं। चार्ल्स (73) शाही परिवार और परिवारों के सदस्यों के लिए अदालत या शाही शोक की अवधि तय करेंगे, जो एक महीने तक रहने की संभावना है। राष्ट्र प्रमुख के रूप में सेवा करने का संकल्प लेने वाले चार्ल्स शुक्रवार शाम को टेलीविजन के जरिए राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में अपनी मां को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शनिवार को, संसद सदस्यों के लिए राजा चार्ल्स तृतीय के प्रति निष्ठा की शपथ लेने के लिए 'हाउस ऑफ कॉमन्स' का एक विशेष सत्र होगा।

बाढ़ की मार झेल रहे पाकिस्तान की मदद करने पहुंचे संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

सदी की सबसे भयानक बाढ़ झेल रहे पाकिस्तान की मदद के लिए संयुक्त राष्ट्र के महासचिव सामने आए हैं।खबर के मुताबिक पाकिस्तान पहुंचे संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने दुनिया से पाकिस्तान की मदद करने की अपील की है। देश में आई बाढ़ को लेकर प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और गुटेरेस ने जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार ठहराया है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी पहाड़ों में रिकॉर्ड मानसूनी बारिश और ग्लेशियर के पिघलने से भीषण बाढ़ आई है, जिससे घर, सड़कें, रेलवे ट्रैक, पुल, पशुधन और फसलें बह गईं और 1,391 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवा दी। इस दौरान देश के बड़े हिस्से में पानी भरने से लाखों लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। शाहबाज सरकार का कहना है कि बाढ़ के कारण लगभग 3 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन बाधित हो गया है।

गुटेरेस अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से मुलाकात करने वाले हैं। जहां वह देश में चल रही आपदा पर बातचीत कर धन जुटाएंगे। साथ ही गुटेरेस देश के जलमग्न इलाकों का दौरा भी करने वाले हैं। संयुक्त राष्ट्र ने आपदा से निपटने में पाकिस्तान की मदद के लिए 160 मिलियन डॉलर की सहायता की अपील शुरू की है। हालांकि पाकिस्तान का अनुमान है कि बाढ़ से लगभग 10 बिलियन डॉलर का नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि पाकिस्तान की मदद के लिए कई देश आगे भी आए हैं, जिन्होंने पाकिस्तान को अरबों रुपये की सहायता मुहैया कराई है।

किंग चार्ल्स के लिए मां एलिजाबेथ छोड़ गईं हैं 370 मिलियन पाउन्ड का खजाना

लंदन (एजेंसी)।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद किंग चार्ल्स को अपनी मां का न केवल सिंहासन विरासत में मिलेगा, बल्कि उनकी निजी संपत्ति भी उन्हें मिलेगी, वह भी बिना उत्तराधिकार कर का भुगतान किए। ब्रिटिश सम्राटों को अपने निजी वित्त का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रानी के पास संपत्ति के रूप में लगभग 370 मिलियन पाउंड (426 मिलियन डॉलर) थे। जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 5 मिलियन पाउंड की वृद्धि हुई।

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की व्यक्तिगत संपत्ति के बड़े हिस्से में ब्रिटिश सरकार को कुछ नहीं मिलेगा और यह ब्रिटेन के नए राजा चार्ल्स को स्थानांतरित हो जाएगी। एक संस्था के रूप में राजघराने के पास वास्तविक शाही संपत्ति, क्राउन एस्टेट लैंड और आर्ट एंड ज्वेलरी का शाही संग्रह, साथ ही आधिकारिक निवास और शाही अभिलेखागार है। यह सभी संपत्ति केवल किंग चार्ल्स के पास जाएगी।

इसी तरह द क्राउन ज्वेल्स जिसकी कीमत कम से कम 3 बिलियन पाउंड होने का अनुमान है। यह केवल प्रतीकात्मक रूप से रानी के थे और स्वचालित रूप से उनके उत्तराधिकारी को हस्तांतरित कर दिए जाते हैं। रानी की निजी संपत्ति को चार्ल्स की अपनी संपत्ति में जोड़ दिया जाएगा, जिसे लगभग 100 मिलियन डॉलर आंका गया है महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की तुलना में उनके दिवंगत पति प्रिंस फिलिप ने 10 मिलियन पाउंड की अधिक संपत्ति छोड़ी थी।

पाकिस्तान की अदालत अवमानना मामले में इमरान खान के खिलाफ अभियोग तय करेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान की एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ एक महिला न्यायाधीश के बारे में विवादास्पद टिप्पणी करने से संबंधित अदालत की अवमानना के मामले में उनके जवाब को 'असंतोषजनक' बताते हुए अभियोग तय करने का फैसला किया। इस महीने की शुरुआत में यहां एक रैली के दौरान खान (69) ने राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ हुए व्यवहार को लेकर शीर्ष पुलिस अधिकारियों, चुनाव आयोग और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मामला दर्ज कराने की चेतावनी दी थी।

खान ने अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को लेकर भी टिप्पणी की थी जिन्होंने पुलिस के अनुरोध पर गिल की दो दिन की हिरासत मंजूर की थी। खान ने कहा था कि ''उन्हें (चौधरी) तैयार रहना चाहिए क्योंकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।'' भाषण के कुछ घंटों बाद खान पर उनकी रैली में पुलिस, न्यायपालिका और अन्य संस्थाओं को धमकाने के लिए आतंकवाद रोधी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था।

न्यायमूर्ति आमेर फारूक ने गिल की पुलिस हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए खान के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू करने का फैसला किया। मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्लाह की अध्यक्षता वाली इस्लामाबाद उच्च न्यायालय की पांच सदस्यीय पीठ ने अवमानना मामले पर सुनवाई की। वकीलों के दलीलें सुनने के बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया कि अवमानना के मामले में आगे बढ़ना है या इसे छोड़ देना है।

संक्षिप्त विराम के दौरान न्यायाधीशों ने मामले पर चर्चा की। इसके बाद अदालत ने कार्यवाही शुरू होने पर कहा कि दो सप्ताह के बाद खान के खिलाफ औपचारिक रूप से अभियोग तय किए जाएंगे। पहली सुनवाई के दौरान 31 अगस्त को खान अदालत के सामने पेश हुए, जिसने पीठ द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस पर उनके लिखित जवाब को लेकर असंतोष व्यक्त किया। हालांकि, अदालत ने उन्हें लिखित में उचित जवाब दाखिल करने का दूसरा मौका दिया था। बुधवार को प्रस्तुत पूरक जवाब को पीठ ने मंजूर नहीं किया क्योंकि खान ने अपनी टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया था लेकिन माफी नहीं मांगी थी। मुख्य न्यायाधीश मिनल्लाह ने सुनवाई के दौरान कहा कि कारण बताओ नोटिस का जवाब न्यायपालिका की अवमानना को ''तर्कसंगत'' करार देता प्रतीत होता है और इसमें ''कोई अफसोस या खेद नहीं'' दिखता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शानदार काम कर रहे हैं: डोनाल्ड ट्रंप

वॉशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ''बहुत शानदार काम कर रहे हैं'' और भारत का ''मुझसे बेहतर दोस्त कभी कोई नहीं रहा।'' ट्रंप ने एनडीटीवी के साथ एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की। इस दौरान उनसे भारत और मोदी के साथ उनके संबंधों, हाल ही में मार-ए लागो की उनकी संपत्ति पर एफबीआई के छापे, राष्ट्रपति चुनाव और कैपिटल दंगों जैसे कई मुद्दों पर बात की गई। वर्ष 2017 से 2021 तक राष्ट्रपति रहने के दौरान भारत के प्रधानमंत्री के साथ घनिष्ठ संबंध रखने वाले ट्रंप ने कहा, मेरे भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं।

हम दोस्त रहे हैं। और मुझे लगता है कि वह (मोदी) एक महान व्यक्ति हैं और बहुत शानदार काम कर रहे हैं। यह कोई आसान काम नहीं है जो वह कर रहे हैं ... हम एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं। वह अच्छे आदमी हैं। भारत में 2019 के आम चुनाव के बाद कम से कम चार बार मोदी से मिले ट्रंप ने कहा, भारत आपके महान प्रधानमंत्री मोदी, मेरे दोस्त के नेतृत्व में अच्छा काम कर रहा है। अपने कार्यकाल में रिपब्लिकन ट्रंप व्हाइट हाउस में भारत के सबसे अच्छे दोस्त के रूप में उभरे थे और रिश्तों को एक नए स्तर पर ले गए थे।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनकी दोस्ती बहुत अच्छी थी जो अमेरिका और भारत में एक साल से भी कम समय में दो रैलियों को संयुक्त रूप से उनके द्वारा संबोधित किए जाने के रूप में परिलक्षित हुई थी। ट्रंप अब 2024 के राष्ट्रपति चुनाव पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भारत का मुझसे बेहतर दोस्त कभी कोई नहीं रहा। यह उन रिश्तों में से एक है, जो मैंने बनाया है, जिसके बारे में आप जानते हैं।

लेकिन मेरे राष्ट्रपति पद पर रहते भारत का मुझसे बेहतर दोस्त कभी कोई नहीं रहा। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके संबंध पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा बनाए गए रिश्ते से बेहतर हैं या वर्तमान राष्ट्रपति जो. बाइडन द्वारा बनाए गए संबंधों से बेहतर हैं, ट्रंप ने कहा, आपको प्रधानमंत्री मोदी से पूछना होगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि आपके किसी अन्य से इतने बेहतर संबंध रहे होंगे जितने कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ रहे थे। ट्रंप प्रशासन के दौरान भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंध बहुत तेज गति से आगे बढ़े थे।

भारत ने जब पुलवामा हमले के बाद पाकिस्तान के बालाकोट में आतंकी प्रशिक्षण शिविरों पर बमबारी की थी तो वाशिंगटन ने नयी दिल्ली का समर्थन किया था। राष्ट्रपति ट्रंप ह्यूस्टन के एनआरजी

स्टेडियम में ऐतिहासिक हाउडी, मोदी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ शामिल हुए थे जहां ट्रंप ने सितंबर 2019 में 50,000 भारतीय-अमेरिकियों की एक विशाल भीड़ को संबोधित किया था।

इसके एक साल के भीतर, ट्रंप ने मोदी के गृह राज्य गुजरात का दौरा किया था जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया था। दोनों नेताओं ने अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया था। ट्रंप ने संकेत दिया कि वह 2024 में फिर राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हर कोई राष्ट्रपति के रूप में मुझे देखना चाहता है।

संपादकीय

दावा है कि कुछ इलाकों में 18 फीसदी बारिश दर्ज की गई। कहा जा रहा है कि मानसून के दौरान राज्य में चौंतीस फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। निस्संदेह, बारिश हमारे महानगरों में अनियोजित आवासीय निर्माण और जल निकासी के तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। यह समस्या सिर्फ बेंगलुरू में ही पैदा नहीं हुई, विगत में ऐसे संकट चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई व गुरुग्राम में भी देखने में आये हैं।

बदहाल बेंगलुरू

भारत की सिलिकॉन वैली कहे जाने वाले हाईटेक सिटी बेंगलुरू में भारी बारिश से सड़कों में जैसे नाव चलाने और ट्रैक्टरों से सफर करने की नौबत आई,उसने प्रशासन की अकर्मण्यता और हमारे आवासीय नियोजन पर सवाल खड़े किये हैं। सरकार के मुखिया दलील दे रहे हैं कि अभूतपूर्व बारिश से संकट पैदा हुआ, लेकिन जल निकासी के इलाकों में जिस तरह अंधाधुंध अनियोजित निर्माण की इजाजत दी गई, उसने इस मॉडर्न सिटी में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा कर दी। ऐसे में, जैसे कि आशंका जतायी जा रही है, यदि फिर बारिश होती है तो समस्या और विकट हो सकती है। दरअसल, सोमवार को बेंगलुरू में 13 सेंटीमीटर बारिश हुई। दावा है कि कुछ इलाकों में 18 फीसदी बारिश दर्ज की गई। कहा जा रहा है कि मानसून के दौरान राज्य में चौंतीस फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई। निस्संदेह, बारिश हमारे महानगरों में अनियोजित आवासीय निर्माण और जल निकासी के तंत्र की विफलता को ही उजागर करती है। यह समस्या सिर्फ बेंगलुरू में ही पैदा नहीं हुई, विगत में ऐसे संकट चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई व गुरुग्राम में भी देखने में आये हैं। जहां असामान्य बारिश तंत्र की पोल खोलकर रख देती है। यही वजह है कि बेंगलुरू के लोग सोशल मीडिया के जरिये शासन-प्रशासन से तीखे सवाल पूछ रहे हैं। एक वह चित्र वायरल हो रहा है जिसमें कार सेवा देने वाली कंपनी के वेब पेज पर नाव सेवा उपलब्ध कराने का उल्लेख है। दरअसल, बेंगलुरू के रिंग रोड पर बहते पानी में लोगों को बचाव के लिये नावों का उपयोग किया गया। पानी की वजह से कार न चल पाने की स्थिति में ट्रैक्टर के जरिये लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम किया गया। शहर में स्थिति यह हो गई है कि सॉफ्टवेयर कंपनियों ने अपने कर्मचारियों को पूरे सप्ताह घर से काम करने को कहा है। स्कूल बंद हैं और ऑनलाइन कक्षाओं के जरिये पढ़ाई को जारी रखने का प्रयास हो रहा है। दरअसल, मौसम विभाग का तर्क है कि समुद्र में कुछ किलोमीटर ऊंचाई पर एक ऐसा क्षेत्र बना जो अतिवृष्टि का कारण बना है। इसमें गर्म हवाओं के झुकाव व निकट जलभराव के स्थानों से बादलों के निर्माण की प्रक्रिया होती है। फलस्वरूप अप्रत्याशित बारिश होती है। लेकिन शहरी इलाकों में जल भराव संकट की एक वजह प्रशासनिक विफलता भी है, जिसने समय रहते बरसाती पानी के निकलने के मार्गों की सफाई नहीं की। दरअसल, ऊंचाई पर बसा बेंगलुरू कभी तालाबों का शहर हुआ करता था, लेकिन आज वहां कॉलोनियां व बड़े व्यापारिक भवन बन गये हैं। यदि प्रकृति के मिजाज के अनुरूप आवासीय भवनों का निर्माण किया गया होता तो अतिवृष्टि का पानी स्वत- ही अपना मार्ग तलाश लेता। लेकिन भू माफिया, बिल्डरों व भ्रष्टतंत्र के कारिंदों ने पानी के कुदरती प्रवाह को अवरुद्ध कर दिया। जलाशयों को आईटी पार्कों में तब्दील करने का बदला प्रकृति लोगों से ले रही है। छोटे शहरों, कस्बों व ग्रामीण इलाकों से हुए तेज पलायन ने शहरों को कंक्रीट के जंगल में बदल दिया है। बरसाती नाले सिकुड़ गये हैं और जो बचे रह गये उनकी नियमित सफाई नहीं हो पाती। ये विफलता हमारी सरकारों व राजनेताओं की भी है जो शहरों को बदलते वक्त के साथ प्रगतिशील नियोजन नहीं दे पा रहे हैं। वहीं न तो जनप्रतिनिधियों और न ही स्थानीय निकायों के प्रमुखों की कोई जवाबदेही ऐसे मामलों में तय की जाती है। बेंगलुरू कहने को भारत की सिलिकॉन वैली है, लेकिन स्थानीय प्रशासन सदियों पीछे है।

कार्टून

लॉफिंग ज़ोन

बंता अमेरिका गया था। एक दिन वह वहां के एक किराने दुकान में गया। जरूरत की सारी चीजें चुनकर वह काउंटर पर आया।

वहां खड़े कर्मचारी ने बिल बनाकर उसकी तरफ बढ़ा दिया। मगर बंता उनसे फैट मांगने लगा, मेरा फैट कहां है? कर्मचारी उसकी बात समझ नहीं रहे थे। अंत में बंता चीखने-चिल्लाने लगा।

उसकी चिल्लाहट सुनकर दुकान में खड़े सभी लोग वहां जुट गए। दुकान का मैनेजर भी बंता के पास आ गया। मैनेजर को देखते ही बंता ने चीखते हुए कहा, ओए मैनेजर, मैंने यह दही खरीदा है। इसके ऊपर लिखा है फैट फ्री, अब बताओ तुम्हारे लोग मुझे फैट नहीं दे रहे हैं।

☺ ☺ ☺

शराबी : हे भगवान ! क्या आप मेरी शराब छुडवा देंगे ?

भगवान : जरूर वत्स।

शराबी : तो मेरी 14 शराब की बोतलें पुलिस ने जब्त कर ली हैं , उन्हें छुड़वा दीजिए प्लीज. !

☺ ☺ ☺

संता काफी परेशान था। उसने अपने दोस्त से कहा - यार मुझे तेलुगु सीखनी है , वह भी छह महीने में।

दोस्त- क्यों यार ?

संता - हमने तेलुगु बच्चा अडॉप्ट किया है। जब वह छह महीने बाद बोलने लगेगा तो हम उसके साथ बात कैसे करेंगे ?

भारतीय दर्शन की आज पूरे विश्व को आवश्यकता है

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

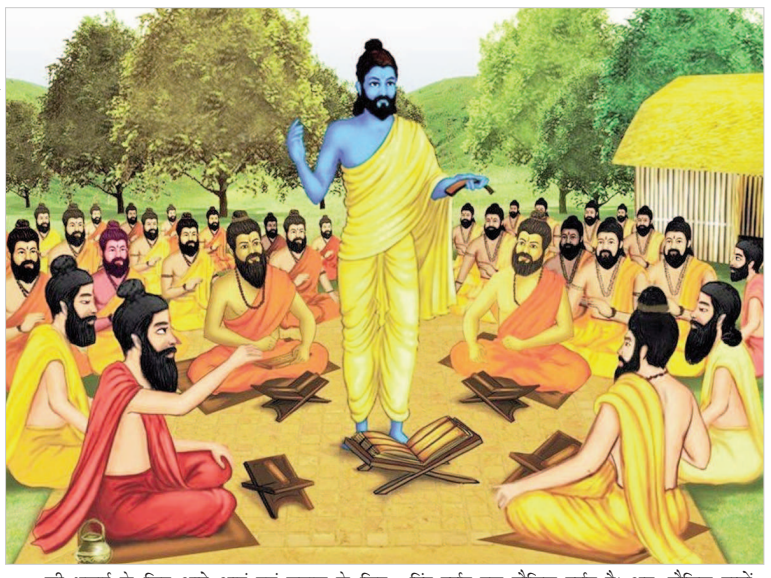

भारत वर्ष 2047 में, लगभग 1000 वर्ष के लम्बे संघर्ष में बाद, परतंत्रता की बेड़ियां काटने में सफल हुआ है। इस बीच भारत के सनातन हिंदू संस्कृति पर बहुत आघात किए गए और अरब आक्रांताओं एवं अंग्रेजों द्वारा इसे समाप्त करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी गई थी। परंतु, भारतीय जनमानस की हिंदू धर्म के प्रति अगाध श्रद्धा एवं महान भारतीय संस्कृति के संस्कारों ने मिलकर ऐसा कुछ होने नहीं दिया।

भारत में अनेक राज्य थे एवं अनेक राजा थे परंतु राष्ट्र फिर भी एक था। भारतीयों का एकात्मता में विश्वास ही इनकी विशेषता है। आध्यात्म ने हर भारतीय को एक किया हुआ है चाहे वह देश के किसी भी कोने में निवास करता हो और किसी भी राज्य में रहता हो। आध्यात्म आधारित दृष्टिकोण है इसलिए हम सभी एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। आध्यात्मवाद ने ही भारत के नागरिकों की रचना की है और आपस में जोड़ा है। इसके चार पहलू हैं - भारतीय मूल रूप से सहिष्णु हैं। यह हम भारतीयों की विशेषता है। भारत कभी भी ÷केवल÷ का नहीं रहा, यह सभी का है, ऐसा विश्वास किया जाता है। केवल मेरा ही सच है, बाकी सब झूठ ही है, इस सिद्धांत पर भारत ने कभी भी विश्वास नहीं किया है। भारत सभी को अपने आप में आत्मसात करता है। मुझमें भी ईश्वर, आप में भी ईश्वर। इस सिद्धांत पर विश्वास करता है। भारतीय दर्शन विविधता में एकता एवं अनेकता में एकता देखता है। भारत अनेकता को भेद नहीं मानता है। भारत, नए आने वाले मानव समूहों की विशेषताओं को जीवित रखकर अपने आप में मिला लेता है। यह सामंजस्य भी हिंदू ही हो जाता है, यह भी भारत की विशेषता है।

भारतीय दर्शन में ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक मनुष्य ईश्वर का अंश है। प्रत्येक मानव अपने देवत्व को जगाकर नारायण का रूप बन सकता है। यह विशेषता सभी भारतीयों में समान रूप से है, यह मानने वाला भारत ही है। भारत के प्रत्येक घर में कई देवी देवताओं की मूर्तियों का निवास रहता है एवं इनकी समान रूप से पूजा अर्चना की जाती है। इस प्रकार का संग्रहण और इस संग्रहण को समान दर्जा देना भी भारतीयों की विशेषता है।

भारतीय दर्शन में ऐसा माना जाता है कि प्रत्येक मनुष्य ईश्वर का अंश है। प्रत्येक मानव अपने देवत्व को जगाकर नारायण का रूप बन सकता है। यह विशेषता सभी भारतीयों में समान रूप से है, यह मानने वाला भारत ही है। भारत के प्रत्येक घर में कई देवी देवताओं की मूर्तियों का निवास रहता है एवं इनकी समान रूप से पूजा अर्चना की जाती है। इस प्रकार का संग्रहण और इस संग्रहण को समान दर्जा देना भी भारतीयों की विशेषता है। उक्त वर्णित चारों विशेषताओं को आत्मसात करने वाले व्यक्ति को हिंदू कहा जा सकता है और इस दर्शन को हिंदुत्व कह सकते हैं। पारिवारिक, व्यावसायिक, सामाजिक वातावरण में यह भावना झलकनी चाहिए। हिंदुत्व केवल एक कल्पना नहीं है बल्कि यह एक जीवन दर्शन है और जीवन जीने की कला है। आज जब पूरे विश्व में आतंकवाद फैला है ऐसे में पूरे विश्व में ही इस जीवन दर्शन को अपनाने की महती आवश्यकता है। भारतीय दर्शन में यह भी निहित है कि राजा का यह धर्म है कि उसके राज्य में समाज का प्रत्येक व्यक्ति सम्पन्न बने, चाहे वह किसी भी पूजा पद्धति को मानने वाला हो एवं किसी भी मत, पंथ का हो। धर्म सभी नागरिकों को एक जैसे भाव से देखने की सीख देता है एवं इनके बीच किसी भी प्रकार का भेद भाव नहीं होना चाहिए। जिन लोगों की समाज में अधिक आय है उनके लिए कहा गया है कि वे समाज की भलाई के लिए आगे आएं एवं समाज के लिए सहायता का कार्य करें, यह उनका धर्म है। इसीलिए कहा जाता है कि अपने स्वयं के लिए जब मकान का निर्माण कराया जाता है तो इसे ÷घर÷ कहा जाता है परंतु जब समाज के लिए मकान का निर्माण किया जाता है तो इसे ÷धर्मशाला÷ कहा जाता है। समाज के लिए किए जाने वाले अच्छे कार्यों में धर्म अपने आप ही जुड़ जाता है। समाज को केवल ÷देना÷, ÷भिक्षा÷ अथवा ÷दान÷ कहा जाता है और यदि समाज को ससम्मान लौटाया जाता है तो इसे ÷धर्म÷ कहते हैं। इस प्रकार धर्म सभी को जोड़ना सिखाता है न कि आपस में बांटना।

अकबर, औरंगजेब और अल्लाहदीन के समय हिंदुओं को कौन जोड़कर रखे हुए था। 15वीं शताब्दी में भक्ति आंदोलन की दूसरी लहर उत्तर भारत में प्रारम्भ हुई जबकि इसके पूर्व भक्ति आंदोलन की प्रथम लहर दक्षिण भारत में प्रारम्भ हो चुकी थी। आसाम, केरल एवं पंजाब आदि में लगभग एक ही समय पर भक्ति आंदोलन की शुरुआत हुई। उस समय देश के विभिन्न भागों में भक्ति आन्दोलन सफलता पूर्वक चलाया गया। यह अपने आप में एक अद्भुत आंदोलन था। उस समय स्वतंत्रता संघर्ष कुछ अलग प्रकार से संचालित किया जा रहा था और यह सब भारत के नागरिकों में ÷स्व÷ के भाव के चलते ही सम्भव हो रहा था।

भारतीय दर्शन में बौद्धिक समृद्धि को मोक्ष के मार्ग पर आगे बढ़ने की संज्ञा दी गई है। और, बौद्धिक उन्नति एवं आध्यात्मिक उन्नति को भारत का राष्ट्रत्व माना जाता है। यह भी हिंदुत्व ही है। हमारे यहां भारतीय संस्कृति में एकात्मता का सोच है। भारत पूरे विश्व की मंगल कामना करता है एवं ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷, ÷सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय÷, जैसे सिद्धांतो पर विश्वास करता है। चाहे किसी भी व्यक्ति की कोई भी पूजा पद्धति क्यों न हो, पूरे भारत में एक जैसा हिंदू दर्शन है। हिंदू दर्शन ही भारत में राष्ट्र तत्व है जो पश्चिम की सोच से अलग है। हिंदू दर्शन एक मौलिक दर्शन है। अतः मौलिक तत्वों को जितना मजबूत करेंगे राष्ट्र विरोधी ताकतें उतनी ही कमजोर होंगी। हिंदू समाज उदार दृष्टि रखकर संगठित रहे। भारतीय इतिहास में कवि रसखान के रूप में एक नहीं बल्कि हजारों की संख्या में इस प्रकार के उदाहरण भरे पड़े हैं। आज के खंडकाल में तो भारत में बुर्का पहिने महिलाएं जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर अपने बच्चों को श्री कृष्ण के रूप में सजा कर खड़ी दिखाई देती हैं। बहुत बड़े स्तर पर आज मुस्लिम एवं ईसाई महिलाएं कमरों में बंद होकर योग कर रही है। संयुक्त अरब अमीरात के आबू धाबी में एक भव्य मंदिर वहां की सरकार एवं नागरिक मिलकर बना रहे हैं। आज ÷सर तन से जुदा÷ जैसे नारे कोई पसंद नहीं कर रहा है। बल्कि संयमित, सौम्य एवं भावुक मुसलमान इसका दबी जुबान में विरोध भी करने लगे हैं। हालांकि भारतीय मुसलमानों से अपेक्षा जरूर है कि आज पूरे विश्व को इस्लाम के भारतीय स्वरूप को पूरी दुनिया को दिखाएं। यह भी सर्वविदित ही है कि भारतीय मुसलमानों के पुखें हिंदू ही थे।

इस तथ्य को तो इंडोनेशिया के मुसलमान भी जोर शोर से कहते हैं और इसीलिए उन्होंने इंडोनेशिया में भारतीय दर्शन को आज भी जीवित बनाए रखा है। इंडोनेशिया ही क्यों पूरे विश्व में ही आज भारतीय संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ रही है। बल्कि, आतंकवाद से आज हर नागरिक छुटकारा पाना चाहता है। भारत के केरल सहित विश्व के अनेक भागो में आज एक्स-मुस्लिम के रूप में एक बड़ी जमात उठ खड़ी हुई है।

पिछले 1000 साल के खंडकाल में बहुत कम साहित्य आया है जो भारत में राष्ट्रभाव को बढ़ावा दे। परंतु, अब समय आ गया है जब भारत के प्रत्येक नागरिक में राष्ट्रभाव को विकसित किया जाय एवं इस सम्बंध में साहित्य का निर्माण भी बहुत बड़े स्तर पर किया जाना चाहिए।

विचार मंथन

भारत का दबदबा

लेखक-सिद्धार्थ शंकर

भारत ने आईएनएस विक्रांत को समुद्र में उतार दिया है। इसके साथ ही उसने इंडो-पैसिफिक में अपना दबदबा बना लिया है। पूरब से लेकर पश्चिमी समुद्र तक उसकी धाक मजबूत हो गई है। इसके साथ ही यह पहली बार वह चीन से बढ़ते समुद्री खतरे को जवाब देने की हालत में भी आ चुका है। साथ ही उसने इंडो पैसिफिक में नेविगेशन की आजादी भी हासिल कर ली है। असल में यह भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत के सपने को पूरा करने की तरफ बढ़ाया गया कदम भी है। जनरल बिपिन रावत का यकीन था कि भारत एक दिन इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बड़ी ताकत बनेगा। इस दिशा में पहला कदम भारतीय सेना एक मैरीटाइम थिएटर कमांड कमांड के तहत लाना है। जिसमें एक नेवी एडमिरल है और आर्मी और एयरफोर्स का समर्थन हासिल है। इसके साथ ही समय आ चुका है भारतीय सेना और बेहतर आपसी समन्वय हासिल करे। इस दिशा में एक बड़ा कदम आईएनएस विक्रांत का जलावतरण है। वहीं अब भारतीय सेना को चाहिए कि वह ब्रिटिश राज की परंपराओं और कार्यक्रमों को पीछे छोड़कर खुद की नई पहचान हासिल करे। भारत के पहले सीडीएस जनरल बिपिन रावत को यकीन था कि भारत अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में समुद्री सुरक्षा विकसित करके सही मायनों में इंडो-पैसिफिक पावर बन सकता है। जनरल रावत की सुरक्षा योजना काफी विस्तृत थी। वह चाहते थे कि भारत ग्रेट निकोबार की कैंपबेल खाड़ी में कंटेनर कम रिप्लेनिशमेंट फैसिलिटी का विकास करे। ताकि भारत के मित्र देशों के युद्धपोत और व्यापारी पोत श्रीलंका की तरफ जाने के बजाए यहीं आएं। इसको लेकर यह भी योजना बनी थी कि कैंपबेल खाड़ी में एक डीप हार्बर बनाया जाए ताकि इंडियन एयरक्राफ्ट कैरियर किसी ग्लोबल इमरजेंसी या प्राकृतिक आपदा के समय तेजी से रिस्पांस कर सके। आईएनएस विक्रांत के जलावतरण के बाद अब मोदी सरकार को जरूरी कदम बढ़ाने चाहिए। वैसे भारत ने रक्षा क्षेत्र में निर्माण को लेकर कई चीजों पर आत्मनिर्भरता हासिल कर ली है। इनमें एयरक्राफ्ट कैरियर्स, डीजल और न्यूक सबमरीन्स और हल्के लड़ाकू विमान हैं। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि भारत इन विमानों के निर्माण में तेजी ले आए। उदाहरण के लिए जब मलेशिया से लेकर अर्जेंटीना तक तेजस को खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं तो हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को चाहिए कि वह इसके निर्माण को अगले स्तर तक ले जाए। हालांकि, भारत के इस महाशक्तिशाली एयरक्राफ्ट कैरियर पर चीन की टेढ़ी नजर जरूर है। चीन के पास ऐसी ही तकनीक से लैस दो एयरक्राफ्ट कैरियर पहले से ही मौजूद हैं और इलेक्ट्रैमैग्नेटिक कैटापुल्स से लैस तीसरा एयरक्राफ्ट कैरियर अभी समुद्री परीक्षण से गुजर रहा है। लेकिन, भारत के आईएनएस विक्रांत के लिए सबसे बड़ा खतरा चीन की कैरियर किलर मिसाइलें हैं। चीन का दावा है कि उसके पास दो ऐसी मिसाइलें हैं, जो दुनिया के किसी भी एयरक्राफ्ट कैरियर को पल भर में डूबो सकती हैं। ये मिसाइलें इतनी तेज और खतरनाक हैं कि अमेरिका के पास भी इनका काट नहीं है। चीन का दक्षिण चीन सागर और पूर्वी चीन सागर के देशों के साथ विवाद है। चीन के अधिकतर दुश्मन देशों के साथ अमेरिका के काफी अच्छे संबंध हैं। अमेरिका के एयरक्राफ्ट कैरियरों को उसकी सबसे बड़ी नौसैनिक शक्ति माना जाता है। ऐसे में चीन ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियरों को डूबाने के लिए दो कैरियर किलर मिसाइलों को विकसित किया है। इनमें से एक डीएफ-17 मिसाइल तो हाइपरसोनिक स्पीड से उड़ान भरने में सक्षम है। इतना ही नहीं, यह मिसाइल एडवांस गाइडेंस सिस्टम से लैस है। डीएफ-17 को किसी युद्धपोत या जमीन पर मौजूद मिसाइल बेस से लॉन्च किया जा सकता है।

सामाजिक संदेश

बदलते वक्त में प्रगतिशील संदेश

(लेखक -सोनम लववंशी)

देश की सबसे अमीर शख्सियत मुकेश अंबानी ने अपनी विरासत का बंटवारा करने के साथ बेटी को दोनों बेटों के बराबर का माना- वो एक नया सामाजिक संदेश समझा जा सकता है, जो उद्योग घराने से बाहर आया है। बड़े बेटे आकाश अंबानी को रिलायंस जियो की कमान सौंपते हुए उन्हें टेलीकॉम कंपनी का चेयरमैन बना दिया। अनंत अंबानी को ग्रीन एनर्जी का बिजनेस मिल सकता है। वहीं ईशा अंबानी को रिलायंस रिटेल का चेयरपर्सन बना दिया गया। आज ईशा अंबानी एक बड़ी सम्पत्ति की हकदार जरूर हैं, पर कभी वे टीचर बनना चाहती थीं। वे पहली बार तब सुर्खियों में छाईं, जब वे 16 साल की उम्र में दुनिया की सबसे कम उम्र की अरबपति उत्तराधिकारियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आई थीं। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने बेटी के अधिकार और सामाजिक बदलाव की जोरदार मिसाल पेश की। उन्होंने अपनी बेटी ईशा अंबानी को रिलायंस इंडस्ट्रीज का पूरा रिटेल कारोबार सौंप दिया। इस बहाने रिलायंस चेयरमैन ने अपनी उत्तराधिकार योजना को साफ कर दिया। इस विरासत में बेटी को भी बेटों जितना ही हक मिलेगा। रिलायंस की 45वीं एजीएम में रिलायंस के चेयरमैन ने ईशा का परिचय ग्रुप के रिटेल कारोबार की हेड के तौर पर करवाया। यह उनकी सिर्फ घोषणा नहीं, भविष्य के बदलते भारत का संकेत भी कहा जा सकता है। इससे पितृसत्ता प्रधान समाज को यह इशारा भी मिला कि अब बेटियां कहीं से भी बेटों से कम नहीं हैं। वर्ष 2008 में 'फोर्ब्स' ने अपनी लिस्ट में उन्हें सबसे कम उम्र की अरबपति उत्तराधिकारी के तौर पर दूसरे पायदान पर रखा था। अब पिता मुकेश अंबानी ने ग्रुप के रिटेल कारोबार की बागडोर बेटी के हाथ में सौंप दी। इसके पीछे मकसद यह नहीं कि ईशा मुकेश अंबानी की लाडली हैं, बल्कि यह उनकी काबिलियत भी है। ईशा पढ़ाई-लिखाई में भी अव्वल रहीं। वह कई साल पहले रिलायंस रिटेल और जियो के बोर्ड से जुड़ी गई थीं। वे बिजनेस की बारीकियों को समझती हैं। वे न्यूयॉर्क में मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म मैकेंजी में बिजनेस एनालिस्ट के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से शुरुआती पढ़ाई के बाद ईशा ग्रेजुएशन के लिए येल यूनिवर्सिटी गई थीं। वहां साइकोलॉजी और साउथ एशियन स्टडीज से ग्रेजुएशन पूरा किया। फिर स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस से एमबीए किया। वह बहुत अच्छा पियानो बजाती हैं। वर्ष 2014, अक्टूबर में उन्हें रिलायंस रिटेल और जियो के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स में शामिल किया गया। वर्ष 2015 में उन्हें आने वाले समय में एशिया की 12 सबसे शक्तिशाली कारोबारी महिलाओं में रखा गया। दिसंबर, 2015 में जब जियो की 4जी सर्विसेज लॉन्च हुई तो ईशा अंबानी ने ही इसका नेतृत्व किया था। ईशा अंबानी ने रिलायंस की सालाना आमसभा बैठक में इंडस्ट्री के रिटेल कारोबार के मुखिया के तौर पर प्रेजेंटेशन दिया। एजीएम में मुकेश अंबानी ने ईशा का परिचय खुदरा कारोबार के मुखिया के तौर पर कराया तो वहां मौजूद इन्वेस्टर्स चौंके, पर साथ में उन्हें खुशी भी हुई कि बदलते भारत का संकेत यही है। ईशा अंबानी की नेटवर्थ 'फोर्ब्स' के मुताबिक 2018 में ही करीब 550 करोड़ रुपये आंकी थी। जबकि, वे करीब 100 मिलियन डॉलर (800 करोड़) की दौलत की मालकिन हैं। साल 2015 में ईशा अंबानी ने मुंबई में 52.8 करोड़ रुपये में एक आलीशान घर खरीदा था, जिसमें वह अपने पति आनंद पिरामल के साथ रहती हैं। साल 2016 में फैशन पोर्टल आजियो लॉन्च करने का पूरा श्रेय ईशा को ही जाता है। मुकेश अंबानी ये भी बता चुके हैं कि टेलीकॉम कंपनी रिलायंस जियो को लॉन्च करने के पीछे भी ईशा ही प्रेरणा थीं। वह अपने ब्रांडिंग और उपभोक्ता से जुड़े कई फैसले लेने में आकाश अंबानी की मदद भी करती हैं। रिलायंस चेयरमैन ने जब अपने कारोबार की अगली पीढ़ी का परिचय दिया, तो उनकी आवाज में वो गर्व और सुकून था, जो कोई पिता अपने लायक बच्चों को अपनी विरासत सौंपते हुए करता है। उन्होंने एजीएम में कहा कि इन तीनों को समूह संस्थापक स्व. धीरूभाई अंबानी की सोच विरासत में मिली है।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

रबी फसलों को पिलाएं
संतुलित जल

किसानों की यह आमधारणा है कि जितनी अधिक सिंचाई की जायेगी, उतनी ही ज्यादा उपज मिलेगी, किंतु वास्तविकता यह नहीं है. पानी उतना ही लाभदायक है, जितना पौधों की जरूरत है. बाकी जल तो अधिक गहराई तक पौधों की जड़ों की पहुंच से दूर नीचे रिस जाता है और कुछ भाप बनकर उड़ जाता है। रबी की फसलों में सिंचाई का दो तिहाई पानी कच्ची नालियों से रिसकर अन्यथा बहकर नष्ट हो जाता है केवल एक तिहाई भाग पानी ही पौधों को प्राप्त होता है। अतः अगर सिंचाई समयानुसार की जाय तो न केवल सी मिल जल का अच्छा उपयोग होगा, बल्कि ज्यादा क्षेत्रमें भी किसान सिंचाई करके अपने खेत की औसत उपज बढ़ा सकते हैं।

अधिक सिंचाई से होने वाली हानियाँ- सिंचाई समय से करने पर लाभ होता है किंतु जरूरत से अधिक करने पर पौधों के आवश्यक पोषक तत्व भूमि में रिस कर निचली सतह पर चले जाते हैं जो पौधों को उपलब्ध नहीं होते। इसी कारण पौधे पीले पड़ने लगते हैं। ऐसा अधिकतर नहर वाले सिंचाई क्षेत्रों में देखने को मिला है. अधिक सिंचाई करने से मिट्टी में वायु संचार में कमी आ जाती है जिससे पौधे की वृद्धि रुक जाती है।

- पौधे पीले पड़ने लगते हैं।
- पौधे की बढ़वार रुक जाती है
- भूमि में क्षार बढ़ने से ऊसर होने की संभावना है।
- अधिक नमी होने के कारण भूमि में पौधों की जड़ों का क्षेत्र घट जाता है जिससे पौधों को पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वन हीं मिल पाते हैं।

रबी फसलों में महत्वपूर्ण सिंचाई की अवस्थाएं

- **गेहूं** रबी फसलों में गेहूं को ही सबसे अधिक सिंचाई से फायदा होता है देशी उन्नत जातियाँ या गेहूं की ऊंची किस्मों की जल की आवश्यकता 25 से 30 से.मी. है। इन जातियों में जल उपयोग की दृष्टि से तीन अवस्थाएं होती हैं जो क्रमशः कल्ले निकलने की अवस्था (बुआई के 30 दिन बाद), पुष्पावस्था (बुआई के 50 से 55 दिन बाद) और दूधिया अवस्था बुआई के 95 दिन बाद)इन अवस्थाओं में सिंचाई करने से निश्चित उपज में वृद्धि होती है। प्रत्येक सिंचाई में 8 से.मी. जल देना आवश्यक है।

बौने गेहूं की किस्मों को प्रारंभिक अवस्था से ही पानी की अधिक आवश्यकता होती है- क्राउन रुट (शिखर या शीर्ष जड़ें) और शीर्ष जड़े और 'झखड़ा जड़ें' निकलते समय।
बुआई के 15-16 दिन तक पौधा बीज में सुरक्षित भोजन पर जीवित रहता है और अपनी खुराक लेता रहता है। लेकिन इसके बाद बीज का संचित भोजन समाप्त होने लगता है और तब वह धीरे-धीरे भूमि से खुराक खींचना शुरू कर देता है। ये जड़ें लगभग एक से.मी. की गहराई पर निकलती हैं। जिस समय ये जड़ें निकलती हैं, उस समय भूमि की सतह नम होनी चाहिए. ऐसे में बुआई के 20-21 दिन बाद खेत में हल्की सिंचाई करना अत्यंत आवश्यक होता है। किसानों को यह बात भली-भांति समझना चाहिए कि शिखर जड़ों से पौधों में कल्लों का विकास होता है, जिससे पौधों में बालियां ज्यादा आती हैं और फलस्वरूप उपज अधिक मिलती है। झखड़ा जड़ें पौधों को प्रारंभिक आधार देती हैं।
अतः बुआई के समय हर हालत में खेत में काफी नमी होनी चाहिए. बौनी गेहूं की किस्मों के खेत में पलेवा देकर खेत की तैयारी करने से अच्छा अंकुरण होता है। इन जातियों को 40 से 50 से.मी. जल की कुल आवश्यकता होती है और प्रति सिंचाई 6 से 7 से.मी. जल देना जरूरी है।
अगर दो सिंचाई की सुविधा है तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद प्रारंभिक जड़ें निकलने के समय करें दूसरी सिंचाई फूल आने के समय। यदि तीन सिंचाई करना संभव हो तो पहली सिंचाई बुआई के 20-21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी पौधों में गाँठ बनते समय (बुआई के 60-65 दिन बाद) और तीसरी सिंचाई पौधों में फूल आने के बाद करनी चाहिए। जहां चार सिंचाईयों की सुविधा हो वहाँ पहली सिंचाई बुआई के 21 दिन बाद (शिखर जड़ें निकलते समय), दूसरी बुआई के 40-45 दिन बाद (पौधों में कल्ले निकलने के बाद) तीसरी बुआई के 60-65 दिन बाद (पौधों में गाँठ बनते समय) और चौथी सिंचाई फूल आते समय करें. चौथी और पाँचवी सिंचाई विशेष लाभप्रद सिद्ध नहीं होती है। इनको उसी समय करना चाहिए जब मिट्टी में पानी की संचय शक्ति कम हो। बलुई या बलुई दोमट मिट्टी में इस सिंचाई की जरूरत होती है। पांचवी सिंचाई उस समय करें जब दानों में दूध पड़ जाये। यदि वायुमंडल का तापमान तेजी से बढ़ रहा हो तो छठी सिंचाई हल्की करें। जब दाने में थोड़ी कठोरता नजर आती हो या दूधिया अवस्था बीत गयी हो तो इस सिंचाई को करना बहुत जरूरी नहीं है।
परीक्षणों से यही निष्कर्ष निकला है कि यदि 6 सिंचाईयां की जायें तो बौने गेहूं से अधिकतम उपज मिलती है। लेकिन यदि 6 सिंचाईयाँ संभव न हो तो उपयुक्त समय पर उक्त तीन सिंचाईयां तो अवश्य ही करनी चाहिए। पिछेती गेहूं में पहली 5 सिंचाईयां 15 दिनों के अंतर से करें। फिर बालें निकलने के बाद यह अन्तर 9-10 दिन का रखें। पिछेती गेहूं की दैहिक अवस्था पिछड़ जाती है और बालें निकलना और दानों का विकास तो ऐसे समय पर होता है जब वाष्पीकरण तेजी से होता है और ऐसी दशा में खेत में नमी की कमी का दानों के विकास पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है, फलस्वरूप दाना सिकुड़ जाता है। इसीलिए देर से बोये गए गेहूं में जल्दी सिंचाई कम दिनों के अंतर से जरूरी है।

रबी में लगाएं
राई-सरसों

भूमि की तैयारी :(अ) बारानी क्षेत्र- वर्षा आधारित क्षेत्रों में वर्षा ऋतु से ही जुताई आरंभ करना चाहिए तथा मिट्टी को खरपतवार रहित कर भुरभुरी बनाकर पाटा लगाकर छोड़ देना चाहिए। उपयुक्त तापमान आने पर बुवाई करें।
(ब) **सिंचित क्षेत्र**- जब खरीफ फसल की कटाई हो जाये तब पलेवा देकर खेत की तैयारी करें तथा पाटा लगाकर खेत को समतल कर लें फिर बुवाई करें।

विकसित एवं अनुशंसित किस्में

पूसा बोल्ड- बड़े दाने वाली इस जाति का 1000 दानों का वजन 7 ग्राम है तथा यह 110-140 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 18 क्विंटल/हे. है।
रोहिणी- इसकी फलियां टहनियों से चिपकी रहती हैं तथा यह 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा 1000 दानों का वजन 5.2 ग्राम है उपज 22-28 क्विं./हे. है।
वरूणा- यह सम्पूर्ण भारत वर्ष के लिये अनुमोदित है यह 135-140 दिन में पककर तैयार होती है। दानों का वजन 6 ग्राम तथा उपज 20-22 क्विं./हे. है तथा तेल की मात्रा 43 प्रतिशत है।
जवाहर सरसों-1 :- यह जाति 125-127 दिन में पककर तैयार होती है इसके 1000 दानों का वजन 5 ग्राम है तथा तेल की मात्रा 42 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है। यह सफेद किट्ट नामक रोग के प्रतिरोधिता वाली किस्म है।
वसुन्धरा- यह किस्म 130-140 दिनों में पककर तैयार हो जाती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा उपज 20-21 क्विं./हे. है।
जवाहर सरसों-2 :- यह किस्म 135-138 दिन में तैयार होती है, तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5 ग्राम तथा उपज 15 से 30 क्विं./हे. है।
जवाहर सरसों-3 :- यह 130-132 दिनों में पककर तैयार होती है तथा इसकी फली चटकती नहीं है तेल 40 प्रतिशत तथा उपज 15 से 25 क्विं./हे. है।
जगन्नाथ- यह किस्म 125-130 दिन में पककर तैयार होती है तथा उपज 18 क्विं. प्रति होगा तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत तक होती है।
जवाहर सरसों-4- यह किस्म असिंचित अवस्था के लिये उपयुक्त है। यह 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तेल की मात्रा 43 प्रतिशत तथा दानों का वजन 5-6 ग्राम तक है।
माया- यह किस्म 125-135 दिन में पककर तैयार होती है तथा तेल की मात्रा 40 प्रतिशत एवं उपज 25-29 क्विं./हे. है।
बीजोपचार :- भरपूर पैदावार हेतु फसल को बीमारियों से बचाने हेतु बीजोपचार आवश्यक है, बीजोपचार 6 ग्राम एग्रान एस.डी.35 नामक दवा से प्रति किलो बीज दर से करें या 3 ग्राम कार्बेन्डाजिम 3 ग्राम थीरम नामक दवा द्वारा प्रतिकिलो बीज के हिसाब से करके फसल बोएं।
बुवाई का समय : बुवाई असिंचित क्षेत्रों में 20 सितंबर से 15 अक्टूबर तक, 5-6 किलोग्राम बीज दर के हिसाब से बोएं तथा सिंचित क्षेत्रों में 15 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5 किलोग्राम बीज दर/हे. के हिसाब से करें। बुवाई देशी हल या सीड ड्रिल से कतारों में करें। पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से.मी. एवं बीज से बीज की दूरी 10 से.मी. रखें। गहराई 2-3 से.मी. रखें अधिक गहरा बीज बोने पर अंकुरण पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
खाद एवं उर्वरक की मात्रा : भरपूर पैदावार के लिये हरी खाद, गोबर की खाद या कम्पोस्ट खाद का प्रयोग करना चाहिए. सिंचित क्षेत्र के लिये 100 क्विं. पकी हुई गोबर खाद बुवाई पूर्व खेत में डालकर जुताई कर खेत में मिला लें। बारानी क्षेत्र में देशी खाद या कम्पोस्ट खाद 40-50 क्विं./हे. बुवाई पूर्ण खेत में डालकर अच्छी तरह मिला लें इसके बाद रसायनिक उर्वरकों को खेत में मिलाएं। सिंचित क्षेत्र के लिये 217 किलोग्राम यूरिया, 313 कि.ग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 40 किलोग्राम, म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 30 किलोग्राम गंधक देने से सरसों की भरपूर पैदावार होती है। जबकि असिंचित क्षेत्र के लिये 40 किलोग्राम यूरिया, 20 किलोग्राम, सिंगल सुपर फास्फेट, 10 किलोग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश एवं 15 किलोग्राम गंधक देने पर अच्छी पैदावार ली जा सकती है।

रोगमुक्त होगी
चना फसल

चना रबी मौसम की प्रमुख दलहनी फसल है। चने में लगने वाली इल्ली व उकठा रोग का प्रकोप इसकी उत्पादकता में प्रमुख बाधा है साथ ही कुछ क्षेत्रों में परम्परागत पुरानी किस्मों का उपयोग भी कम उत्पादकता का कारण है।

खेत की तैयारी:- खरीफ मौसम के खाली पड़े खेतों में सितम्बर में या अक्टूबर के प्रारंभ में बार-बार जुताई करें ताकि बारिश की नमी का संरक्षण हो सके। खेत से कचड़ा आदि एकत्र कर नष्ट कर देना चाहिए व पाटा लगाकर बुवाई का कार्य करें। अथवा पलेवा लगाकर बोनी करें।
उर्वरकों का उपयोग- दलहनी फसल होने के कारण चने को 743 कि.ग्रा. यूरिया व 373 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट की आवश्यकता सिंचित अवस्था में होती है एवं असिंचित अवस्था में 20 कि.ग्रा. यूरिया व 187 कि.ग्रा.फास्फेट, अंतिम जुताई से पूर्व एक कि.ग्रा. पी.एस.बी. कल्चर को 50 कि.ग्रा. गोबर की खाद में मिलाकर खेत में भुरकाव करने से अच्छे परिणाम मिलते हैं।

उन्नतशील प्रजातियाँ- बीज, फसल उत्पादन का महत्वपूर्ण आदान हैं। अतः बुवाई पूर्व स्वस्थ, सुडौल, रोग रहित प्रजातियों का बीज एकत्र कर रख लेना चाहिए।
बीज दर एवं बीजोपचार :- देशी चने का 75 कि.ग्रा. जबकि बड़े आकार के काबुली चने की 125 कि.ग्रा. मात्रा प्रति हे. के मान से उपयोग करना चाहिए ताकि एक वर्गमीटर क्षेत्र में 25-30 पौधे हों। बुवाई के समय लाइन से लाइन की दूरी 30 से.मी. तथा पौधे से पौधे की दूरी 10 से.मी. होना चाहिए. बोनी से पूर्व बीज को कार्बेन्डाजिम अथवा कार्बोक्सिन की 2 ग्राम मात्रा द्वारा प्रति कि.ग्रा. की दर से उपचारित करें. तत्पश्चात् राइजोबियम व पी.एस.बी. कल्चर से बीज का निवेशन करें इस हेतु 250 ग्राम गुड़ के घोल में कल्चर मिलाकर फिर बीज को उपचारित करें।
अन्य शस्य क्रियाएं:- बुवाई के 25-30 दिन बाद निंदाई कर घास निकालें. ताकि नमी का ह्रास न हो। इसी समय चने की खुटाई करना चाहिए ताकि अधिक से अधिक शाखायें निकल सकें।
बुवाई से पूर्व खेत में भलीभांति तय कर लें कि पर्याप्त नमी है तभी बुवाई करें। चने की फसल में 45-60 दिन के भीतर सिंचाई करें। ध्यान रहे कि फूल आते समय सिंचाई न करें। हल्की भूमि में नमी की कमी होने पर फली लगते समय भी सिंचाई की जानी चाहिए।
कटाई, गहाई व उपज:- परिपक्व अवस्था में आने पर फलियाँ सूखकर पीली पड़ती हैं एवं पत्तियाँ झड़ने लगती हैं। इस समय कटाई करना चाहिए। फसल की कटाई कर 2-3 दिन तक खेत में पड़ा रहने दें तत्पश्चात् गहाई करें। इस प्रकार 15-20 क्विं. किस्मों के अनुसार उत्पादन मिलता है। दानों को भलीभांति सुखाकर 8-10 प्रतिशत नमी पर भंडारित करना चाहिए।

रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया बढ़त के साथ बंद हुआ। विदेशी कोषों की आवक के बीच ही रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे बढ़कर 79.57 पर बंद हुआ। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 79.66 पर खुला। दिन के कारोबार में रुपया 79.47 के ऊपरी और 79.66 के निचले स्तर पर पहुंचा। अंत में यह डॉलर के मुकाबले 79.57 पर बंद हुआ। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 12 पैसे अधिक है। वहीं गत दिवस रुपया 79.69 पर बंद हुआ था। इसी बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.98 फीसदी टूटकर 108.63 पर आ गया। जानकारों के अनुसार यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) के ब्याज दर में 0.75 फीसदी की अभूतपूर्व बढ़ोतरी के चलते ही डॉलर पर दबाव बना है। उन्होंने कहा कि वैश्विक मुद्रास्फीति के कारण भी जोखिम वाली संपत्तियों पर दबाव देखने को मिल सकता है। हालांकि, डॉलर में कमजोरी और वैश्विक बाजारों में सकारात्मक संकेतों से रुपये को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है।

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार नीति मंच की बैठक जल्द

लास एंजिलिस । भारत और अमेरिका के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की अगली मंत्रिस्तरीय बैठक जल्द ही अमेरिका में होगी। भारत और अमेरिका ने पिछले साल 23 नवंबर को नई दिल्ली में टीपीएफ की 12वीं बैठक आयोजित की थी। यह मंच अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) के नेतृत्व में एक अंतर-एजेंसी सहयोग है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पियूष गोयल ने कहा कि अमेरिका में बहुत जल्द हमारी व्यापार नीति मंच की अगली बैठक होगी। इस बैठक में पहचान करने योग्य और कार्य के नए क्षेत्रों पर चर्चा की जाएगी। इसके लिए दोनों देशों की टीमों को एक-दूसरे के साथ काम शुरू करने के लिए कहा गया है। गोयल ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई और अमेरिका की वाणिज्य मंत्री गिना एम रायमोंडो के साथ यहां द्विपक्षीय बैठक की। उन्होंने अमेरिका के जीएसपी कार्यक्रम के तहत व्यापार लाभ बहाल करने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मुझे नहीं लगता कि यह अब कोई मुद्दा है। हमारा कोई भी निर्यात जीएसपी से प्रभावित नहीं हुआ है। तो मुझे लगता है कि यह कोई मुद्दा नहीं है। हमने हाल के दिनों में भी चर्चा की है, जो आज भी शामिल है।

टाटा मोटर्स इसी महीने टियागो का इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी

नई दिल्ली । घरेलू वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स इस महीने के ओ खिर में अपनी कार टियागो का इलेक्ट्रिक संस्करण पेश करेगी। टाटा मोटर्स ने शुक्रवार को विश्व इलेक्ट्रिक वाहन दिवस पर कहा कि नेक्सन और टिगोर के बाद टियागो ईवी इलेक्ट्रिक श्रेणी में कंपनी का तीसरा उत्पाद होगी। टाटा मोटर्स ने अगले पांच वर्षों में बिजली से चलने वाले 10 इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करने का लक्ष्य रखा है। टाटा मोटर्स यात्री वाहन के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र ने कहा` कि आज हमारे लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। हम टियागो ईवी के साथ अपने ईवी खंड के विस्तार की घोषणा करते हैं। कंपनी आने वाले हफ्तों में टियागो ईवी की कीमत और अन्य विशेष विवरण को जारी करने की योजना बना रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को तेजी रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही भारी खरीददारी से बाजार ऊपर आया है। इस कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 104.92 अंक करीब 0.18 फीसदी ऊपर आकर 59,793.14 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 34.60 अंक तकरीबन 0.19 फीसदी उछलकर 17,833.35 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, इंफोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, मारुति, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, विप्रो और एक्सिस बैंक के शेयर मुख्य ऊपर से ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर अल्ट्राटेक सीमेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार उछाल पर बंद हुआ था। कोरोबार के दौरान देखा गया कि म्यूचुअल फंड में निवेशकों का रुझान कम हुआ है। घरेलू शेयर बाजार में अस्थिर हालातों से भी म्यूचुअल फंड में अगस्त में 6,120 करोड़ रुपये ही आये हैं। यह आंकड़ा पिछले 10 महीने में सबसे कम है। वहीं अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोजिट मजबूती के साथ ऊपर आया है। वहीं, यूरोपीय बाजारों में उछाला आया है। अमेरिकी शेयर बाजार में गत दिवस बढ़त रही थी।

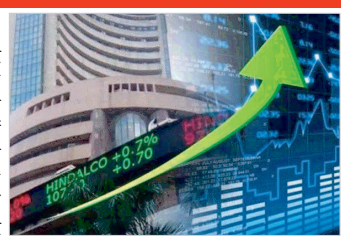

वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड (कच्चा तेल) 1.73 फीसदी बढ़कर 90.69 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

सोने का वायदा भाव चढ़ा, चांदी भी महंगी

नई दिल्ली । सोने एवं चांदी की वायदा कीमतों में शुक्रवार को उछाल देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर शुरुआत में सोने की कीमत में 131 रुपए की तेजी के साथ 50,487 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में सोने की कीमत 50,356 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थी। वहीं दिसंबर, 2022 में डिलीवरी वाले सोने में 135 रुपए की बढ़त के साथ 50,752 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाला सोना 50,617 रुपए प्रति 10 ग्राम पर रहा था।मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर दिसंबर, 2022 में डिलीवरी वाली चांदी में 642 रुपए की बढ़त के साथ 54,923 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर चल रही थी। इससे पिछले सत्र में दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 54,281 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी। इसी तरह मार्च 2023 में डिलीवरी वाली चांदी में 666 रुपए की बढ़त के साथ 55,884 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार हो रहा था। इससे पिछले सत्र में मार्च कॉन्ट्रैक्ट वाली चांदी की कीमत 55,218 रुपए प्रति किलोग्राम पर रही थी।

कृषि मंत्रालय और फिक्की की पीपीपी परियोजनाओं के लिए संयुक्त पहल

नई दिल्ली । कृषि मंत्रालय और उद्योग निकाय फिक्की ने कृषि क्षेत्र में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के लिए एक संयुक्त पहल शुरू की है। इस संबंध में जारी आधिकारिक बयान के अनुसार केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) पर परियोजना प्रबंधन इकाई (पीएमयू) का शुभारंभ पर कहा कि पीपीपी मॉडल कृषि क्षेत्र में विकास के लिए आदर्श मॉडल हो सकता है और पीपीपी परियोजनाओं को किसानों की आय बढ़ाने के माध्यम से लाभान्वित करने पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा` कि यदि सरकार अकेले ही सभी कार्य करे तो यह कोई आदर्श स्थिति नहीं है। बेहतर काम सिर्फ जन भागीदारी के साथ ही किए जा सकते हैं। किसी भी क्षेत्र की प्रगति के लिए सरकार सभी को अच्छा सहयोग दे सकती है। इसके अलावा कृषि सचिव मनोज आहूजा ने कहा कि सरकार को कृषि क्षेत्र में निवेश को सुविधाजनक बनाने में एक उत्प्रेरक भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा निजी क्षेत्र और गैर-सरकारी संगठनों को एक साथ आना चाहिए और कृषि क्षेत्र की परियोजनाओं में सरकार के साथ साझेदारी करनी चाहिए, जिससे उनका प्रभाव खासा बढ़ जाएगा। वहीं फिक्की के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शुभ्रकांत पांडा ने भरोसा जताया कि कृषि क्षेत्र के लिए पीएमयू पहल से निजी क्षेत्र के निवेश के दोहन और सरकारी योजनाओं और सब्सिडी के उपयोग से बड़े स्तर की पीपीपी परियोजनाओं में तेजी आएगी।

मारुति वायटीबी क्रॉसओवर के साथ उतरेगी बाजार में

-बलेनो से भी जबरदस्त फीचर्स से होगी लैस

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी ने ऑटो एक्सपो 2020 में फ्यूचरो-ई कॉन्सेप्ट पेश किया था। कंपनी 2023 ऑटो एक्सपो में इसका प्रोडक्शन वर्जन पेश करेगी। कंपनी वायटीबी क्रॉसओवर को दो पावरट्रेन के साथ बाजार में उतार सकती है। इसमें एक टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन और एक पेट्रोल इंजन शामिल है। रिपोर्ट्स की माने तो कंपनी 1.0 लीटर टर्बोचार्ज्ड बूस्टरजेट पेट्रोल इंजन की वापसी कर सकती है और इसका इस्तेमाल वायटीबी क्रॉसओवर में किया जा सकता है। यह इंजन भारत में 2017 में पहली बार पेश किया गया था। एक और इंजन जो इस कार में इस्तेमाल किया जा सकता है वह है 1.2रु ड्यूलजेट पेट्रोल इंजन। संभव है कि कंपनी इस कार में 1.5 लीटर एनए पेट्रोल इंजन का भी इस्तेमाल करे। यह इंजन वर्तमान में बेजा और एक्सएल6 में यूज किया जाता है।भारत में इस नई आने वाली मारुति कार के स्पाई शॉट्स से पता चलता है कि यह ब्रांड की नई एसयूवी डिजाइन लैंग्वेज पर आधारित होगी। इसमें सामने की तरफ एक बड़ी ग्रिल होगी जो बम्पर-माउंटेड एलईडी हेडलाइट्स और टॉप-माउंटेड डीआरएल के साथ होगी। क्रॉसओवर-कूप सिल्हूट साफ दिखाई देता है।

उम्मीद है कि मारुति इस कार को ड्यूल-कट अलॉय व्हील्स और प्रमुख बॉडी क्लैडिंग के साथ पेश करेगी।अन्य फीचर्स जैसे एसयूवी, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, पुश-बटन स्टार्ट, कनेक्टेड कार टेक, ऑटोमैटिक वाइपर और हेडलैम्प्स, कूल्ड ग्लोवबॉक्स, रियर एसी वेंट आदि भी मिलने की उम्मीद है। वायटीबी ब्रांड के पोर्टफोलियो में पहली क्रॉस-हैचबैक होगी और सिट्रोएनसी3, निसान मेग्नाइट और रिनॉल्ट काइगर जैसे प्रतिद्वंद्वियों को टक्कर देगी।कार के इंटीरियर में वायटीबी को एक फ्रेश डैशबोर्ड लेआउट और एक व्यापक सुविधाओं की सूची के साथ पेश किए जाने की संभावना है। जिसमें एक बड़ा सनरूफ, वायरलेस मोबाइल चार्जिंग पैड, एक बड़ा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और एक ऑटोमेटेड क्लाइमेंट कंट्रोल जैसी सुविधाएं शामिल हैं।

जीप 8 सितंबर को पेश करेगी जीपस्टर

-वैश्विक लाइन-अप में यह छोटी पेशकश होगी

नई दिल्ली ।

ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी जीप 8 सितंबर को जीपस्टर पेश करेगी, जो जीप की वैश्विक लाइन-अप में सबसे छोटी पेशकश होगी। जीप 4एक्सई डे इवेंट में कुछ इलेक्ट्रिक एसयूवी कॉन्सेप्ट भी प्रदर्शित करेगी, जबकि नई जीप जीपस्टर एसयूवी इस साल अक्टूबर में पेरिस मोटर शो 2022 में वैश्विक स्तर पर डेब्यू करेगी। आधिकारिक घोषणा से पहले कन्फर्म हो चुका है कि जीप जीपस्टर एसयूवी पूर्ण इलेक्ट्रिक (बीईवी) और पेट्रोल माइल्ड-हाइब्रिड (एमएचईवी) पावरट्रेन के साथ ब्रांड के इलेक्ट्रॉनिक ऑल-व्हील ड्राइव (ईएडब्ल्यूडी) के साथ कुछ वेरिएंट पर आएगी, जबकि फ्रंट-ईवी और एमएचईवी पावरट्रेन संस्करणों पर व्हील ड्राइव मानक रहेगा। जबकि ईवी पावरट्रेन के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

आने वाली जीप जीपस्टर स्टेलंटिस की दूसरी पीढ़ी के ईसीएमपी / कॉमन मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (सीएमपी) पर आधारित होगी। ईसीएमपी प्लेटफॉर्म सीएमपी का एक प्रकार है, जिसका उपयोग भारत में सिट्रोएन सी3 पर भी किया जाता है।मॉडल के इलेक्ट्रिक क्रेडेंशियल्स पर जोर देने के लिए एक 'ई' लोगो लगाया जाएगा। एमएचईवी वैरिएंट भी बंद ऑफ-ग्रिल के साथ आएगा और इंजन के लिए वेंटिलेशन फ्रंट बंपर में वेंट से होगा। लगता है कि हेडलैम्प्स में स्प्लिट डिज़ाइन है, जिसमें एलईडी डे-टाइम रनिंग लैंप्स मुख्य हेडलैम्प्स के ऊपर स्थित हैं। कंपास 4एक्सई को रियर-एक्सल इलेक्ट्रिक मोटर की बदौलत ऑल-व्हील ड्राइव मिलता है। रेनेगेड 4 एक्सई तीन ट्रिम्स - लॉन्गिट्यूड, लिमिटेड और ट्रेलहॉक में आती है। तीनों में 270एनएम टार्क के साथ 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन के साथ एक इलेक्ट्रिक मोटर मिलती है. हालाँकि, जहां ट्रेलहॉक को 240एचपी मिलता है, वहीं अन्य दो ट्रिम्स में 190एचपी मिलता है।दूसरी ओर, कंपास 4एक्सई में 1.3-लीटर टर्बोचार्ज्ड पेट्रोल इंजन मिलता है जो धुन की स्थिति के आधार पर 190एचपी या 240एचपी उत्पन्न करता है।

गूगल प्ले शुरू कर रहा है प्रायोगिक कार्यक्रम

मुंबई । गूगल प्ले एक ऐसा प्रायोगिक कार्यक्रम शुरू करने जा रहा है, जो देश के डेवलपरों द्वारा रियल-मनी गेम्स, डेली फैंटसी स्पोर्ट्स (डीएफएस) और रमी ऐप का भारत में वितरण सक्षम करता है। यह कार्यक्रम 28 सितंबर, 2022 से शुरू होकर एक साल तक चलेगा और उपयोगकर्ताओं के लिए सीखने की व्यवस्था करेगा तथा सुरक्षित अनुभव बनाए रखेगा। गूगल के प्रवक्ता ने कहा` कि हम स्थानीय डेवलपरों के लिए सफल कारोबार करने और गूगल प्ले पर सुखद अनुभव प्रदान करने के तरीके लगातार तलाश रहे हैं। इस प्रायोगिक कार्यक्रम के जरिये हम एक ऐसा नपा-तुला नजरिया अपना रहे हैं, जो हमारी व्यवस्थित रूप से सीखने में मदद करेगा और हमारे उपयोगकर्ताओं के लिए सुखद तथा सुरक्षित अनुभव कायम रखेगा।

त्योहारी मौसम में 28 फीसदी ई-कॉमर्स कंपनियों की सेल में होगा इजाफा : रिपोर्ट

नई दिल्ली ।

आने वाले त्योहारी मौसम में ई-कॉमर्स कंपनियों की बल्ले-बल्ले होने की उम्मीद है। एक रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक ई-कॉमर्स सेल 28 फीसदी बढ़कर 11.8 अरब डॉलर हो सकती है। रिपोर्ट में इसका कारण महंगाई की वजह से निजी खपत में कमी और ऑफलाइन सेल में कमी को बताया गया है। फ्लिपकार्ट, अमेज़न और मीशो जैसे ई-कॉमर्स कंपनियां आने वाले त्योहारी सेल के लिए तेजी से डिस्ट्रीब्यूशन करने, शॉपिंग के लिए आसान क्रेडिट की सुविधा देने और उडी अनुभवों जैसे नए खरीदारी प्रयोगों द्वारा अपनी तैयारी में लगी हुई हैं। हालांकि फ्लिपकार्ट और अमेज़न ने अपने एनुअल फेस्टिवल सेल कार्यक्रमों की तारीखों का खुलासा नहीं किया है। रेडसीर ने कहा कि सेल का पहला सप्ताह 24 सितंबर से 1 अक्टूबर तक हो सकता है। सेल सीजन के पहले सप्ताह में 24 प्रतिशत की वृद्धि देखने की संभावना जताई जा रही है। त्योहारी महीने आमतौर पर भारत में सबसे बड़ी शॉपिंग का सीजन होता है। दीवाली के दौरान खरीदारी चरम पर होती है और यह क्रिसमस व नए साल तक जारी रहती है। 2015-2021 की अवधि में ऑनलाइन एनुअल सेल 52 प्रतिशत बढ़कर 9.3 अरब डॉलर हो गई, जब देश में कुल ऑनलाइन खुदरा बाजार का आकार केवल 50 अरब डॉलर से अधिक था। बर्नस्टीन की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, त्योहारों से सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) भारत में ऑनलाइन खुदरा की तुलना में दोगुना तेजी से बढ़ रहा है। इस मामले पर एक रिसर्च कंपनी ने रिपोर्ट की थी। इसमें यह संभावना जताई गई थी कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर त्योहारी सीजन की सेल में वृद्धि इस साल मुद्रास्फीति ऑफलाइन शॉपिंग की शुरुआत के कारण स्थिर रहेगी। रिपोर्ट के अनुसार, इस साल की सेल फैशन और इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा ऑपरेटेड होगी। इस साल फैशन सेल के 16 फीसदी से बढ़कर 24 फीसदी होने की उम्मीद है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स में मामूली गिरावट देखने को मिल सकती है। इस मामले पर रेडसीर स्ट्रैटेजी कंसल्टेंट्स में एसोसिएट पार्टनर संजय कोठारी ने कहा, अन्य त्योहारी सेल की तरह इस साल की त्योहारी सेल का लगभग 70 प्रतिशत मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं द्वारा संचालित होगा। पिछले कुछ महीनों में इलेक्ट्रॉनिक्स की बिक्री में गिरावट ज्यादातर मौसमी फैक्टर के कारण रहा है।

त्योहारी मौसम में महिलाओं की तुलना में पुरुष अधिक करते हैं खरीदारी!

मुंबई ।

त्योहारी मौसम शुरू होने के साथ ही 58 प्रतिशत शहरी लोग दिवाली पर खरीदारी की योजना बना रहे हैं जबकि 39 प्रतिशत लोग ऑनलाइन खरीदारी करने की सोच रहे हैं।

वैश्विक शोध एवं विश्लेषण समूह यूगॉव की तरफ से किए गए एक सर्वेक्षण में यह संभावना जताई गई है। इस सर्वेक्षण में शामिल प्रत्येक 10 में से छह लोग दिवाली के मौके पर किसी-न-किसी तरह की खरीदारी की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा सर्वेक्षण से यह भी पता चलता है कि त्योहारों के मौसम में खरीदारी की तैयारी महिलाओं की तुलना में पुरुषों में कहीं अधिक है। सर्वेक्षण में शामिल 62 प्रतिशत पुरुष प्रतिभागियों ने दिवाली पर खरीदारी करने की संभावना जताई है जबकि महिलाओं के मामले में यह अनुपात 55 प्रतिशत है। हालांकि, ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन का असर इस सर्वेक्षण में भी देखने को मिला है। इसके मुताबिक प्रत्येक पांच में से दो व्यक्ति त्योहारी मौसम में ई-कॉमर्स कंपनियों की तरफ से लाई जाने वाली बड़ी त्योहारी पेशकश पर खरीदारी करने का मन बना रहे हैं। सर्वेक्षण के मुताबिक, त्योहारी मौसम के फौरन बाद शादियों का मौसम शुरू हो जाएगा जिसमें लगभग प्रत्येक तीसरा व्यक्ति खरीदारी करने की सोच रहा है।

सरकार ने गैर-बासमती चावल निर्यात पर 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया

नई दिल्ली । सरकार ने गैर-बासमती चावल पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगा दिया है। चालू खरीफ सत्र में धान फसल का रकबा काफी घट गया है। ऐसे में घरेलू आपूर्ति बढ़ाने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। राजस्व विभाग की जारी अधिसूचना के अनुसार धान के रूप में चावल और ब्राउन राइस पर 20 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड ने कहा कि उसना चावल और बासमती चावल को छोड़कर अन्य किस्मों के निर्यात पर 20 प्रतिशत का सीमा शुल्क लगेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि यह निर्यात शुल्क नौ सितंबर से लागू हो गया है। कृषि मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार चालू खरीफ सत्र में अब तक धान का बुवाई क्षेत्र 5.62 प्रतिशत घटकर 383.99 लाख हेक्टेयर रह गया है। देश के कुछ राज्यों में बारिश कम होने की वजह से धान का बुवाई क्षेत्र घटा है। चीन के बाद भारत चावल का सबसे बड़ा उत्पादक है। चावल के वैश्विक व्यापार में भारत का हिस्सा 40 प्रतिशत है। भारत ने 2021-22 के वित्त वर्ष में 2.12 करोड़ टन चावल का निर्यात किया था। इसमें 39.4 लाख टन बासमती चावल था। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि में गैर-बासमती चावल का निर्यात 6.11 अरब डॉलर रहा। भारत ने 2021-22 में दुनिया के 150 से अधिक देशों को गैर-बासमती चावल का निर्यात किया। अखिल भारतीय चावल निर्यातक संघ ने निर्यात शुल्क लगाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय चावल का निर्यात काफी कम मूल्य पर हो रहा था। निर्यात शुल्क से गैर-बासमती चावल का निर्यात 20 से 30 लाख टन घटेगा। वहीं 20 प्रतिशत निर्यात शुल्क की वजह से निर्यात से प्राप्ति पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

एयर इंडिया दोहा के लिए शुरू करेगी सीधी विमान सेवा

- हर सप्ताह 13 उड़ानें मुंबई से, चार हैदराबाद से और तीन चेन्नई से संचालित होंगी

नई दिल्ली।

एयर इंडिया ने मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई से कतर की राजधानी दोहा के लिए सीधी विमान सेवा शुरू करने की घोषणा की है। ये उड़ानें 30 अक्टूबर से शुरू हो रही हैं। कतर में हो रहे फुटबाल विश्व कप को देखते हुए एयर इंडिया ने देश के प्रमुख शहरों से दोहा के लिए सीधी विमान सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। दिल्ली से एयर इंडिया दोहा के लिए पहले ही सीधी उड़ान का संचालन कर रही है। मीडिया की खबरों के अनुसार, एयर इंडिया का कहना है कि वह 30 अक्टूबर से सप्ताह में 30 उड़ानें यात्रियों को उपलब्ध कराएगी। हर सप्ताह 13 उड़ानें मुंबई से, चार हैदराबाद से और तीन चेन्नई से संचालित होंगी। ये उड़ानें दिल्ली से दोहा के लिए मौजूदा दैनिक उड़ानों के अतिरिक्त होंगी। एयर इंडिया ने पिछले महीने ही घरेलू रूटों पर 14 नई फ्लाइट्स शुरू करने की घोषणा की थी। एयरलाइंस ने दिल्ली-मुंबई, दिल्ली-बेंगलुरु और मुंबई-चेन्नई मार्गों पर नई उड़ानें संचालित करने की बात कही थी। एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दुनिया के इस हिस्से में फुटबॉल के आयोजन को लेकर एयर इंडिया का लक्ष्य भारत और कतर के बीच मजबूत कनेक्टिविटी प्रदान करना है। भारत से बड़ी संख्या में फुटबॉल प्रशंसक कतर जाकर मैच देखने के लिए उत्साहित हैं। इसी को देखते हुए कंपनी ने नई उड़ानें शुरू करने का फैसला लिया है। नई एयरलाइन कंपनी अकासा एयर ने मुंबई से अहमदाबाद, मुंबई से बेंगलुरू और बेंगलुरू से कोच्चि की हवाई टिकटें 25 प्रतिशत तक सस्ती कर दी हैं। इंडिगो ने भी कई रूट्स पर किराया कम किया है।

इंडिगो ने बेंगलुरू से मुंबई का किराया घटाकर 2269 रुपए कर दिया है। मुंबई से बेंगलुरू जाने के लिए 13 सितंबर को 2418 रुपए इंडिगो फ्लाइट से यात्रा करने पर खर्च करने होंगे।

पीसीबी ने विश्व कप के लिए हेडन को मार्गदर्शक किया नियुक्त

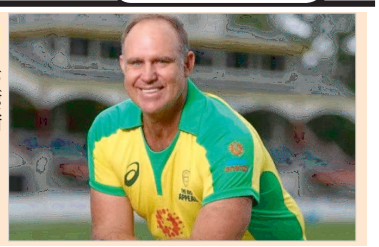

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए अपने जमाने के दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को टीम का मेंटर (मार्गदर्शक) नियुक्त किया है। हेडन ने कहा कि पाकिस्तानी टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं और वह अगले महीने होने वाले विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेगी। हेडन पिछले साल संयुक्त अरब अमीरात में खेले गए टी-20 विश्वकप में भी पाकिस्तानी टीम के मेंटर थे। तब ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को सेमीफाइनल में हरा दिया था। पीसीबी ने कहा हेडन 15 अक्टूबर को ब्रिसबेन में टीम से जुड़ेंगे। इसी दिन पाकिस्तान की टीम क्राइस्टचर्च से ब्रिसबेन पहुंचेगी। विश्वकप से पहले पाकिस्तान एक टी-20 श्रृंखला में भाग लेगा जिसमें बांग्लादेश और मेजबान न्यूजीलैंड की टीम भी खेलेंगी। पीसीबी ने पिछले विश्वकप में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज वर्नोन फिलेंडर को भी गेंदबाजी सलाहकार नियुक्त किया था।

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने फिर रचा इतिहास, बने डायमंड लीग चैंपियन

ज्यूरिख .

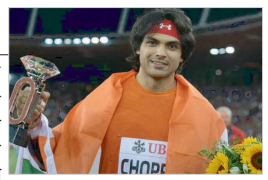

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा ने यहां प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल्स का खिताब जीतकर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। चोपड़ा यह खिताब जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट हैं। चोपड़ा ने फाउल से शुरुआत की लेकिन अपने दूसरे प्रयास में 88.44 मीटर भाला फेंक कर वह शीर्ष पर पहुंच गए। यह उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जो आखिर में उन्हें स्वर्ण पदक दिला गया। उन्होंने अपने अगले चार प्रयास में 88.00 मीटर, 86.11 मीटर, 87.00 मीटर और 83.60 मीटर भाला फेंका। चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज 86.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इसे उन्होंने अपने चौथे प्रयास में हासिल किया। जर्मनी के जूलियन वेबर 83.73 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नीरज ने बाद में कहा, 'आज वाडलेज के साथ प्रतिस्पर्धा बहुत अच्छी रही। उसने भी अच्छे थ्रो किए। मुझे आज 90 मीटर तक भाला फेंकने की उम्मीद थी लेकिन मैं खुश हूं कि मेरे पास अब डायमंड ट्रॉफी है और यह सबसे महत्वपूर्ण है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यहां से मेरे साथ मेरा परिवार भी है। उन्होंने कहा, यह पहला अवसर है जबकि वे किसी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में आए हैं। वह मेरे साथ इसलिए आए हैं क्योंकि यह मेरी अंतिम प्रतियोगिता है और इसके बाद हम पेरिस में छुट्टियां मनाने चले जाएंगे। नीरज ने कहा, इयुगेन में मैं चोटिल हो गया था और मुझे दो तीन सप्ताह आराम की जरूरत है। इसके बाद मैं रिहैब करूंगा और अगले साल की तैयारियों में जुट जाऊंगा। भारत का यह 24 वर्षीय खिलाड़ी अब ओलंपिक चैंपियन, विश्व चैंपियनशिप का रजत पदक विजेता और डायमंड लीग चैंपियन है। यह सब उपलब्धियां उन्होंने केवल 13 महीनों के अंदर हासिल की हैं। उन्होंने पिछले साल सात अगस्त को तोक्यो में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीता था। चोपड़ा ने इस सत्र में छह बार 88 मीटर से अधिक दूर तक भाला फेंका जिससे उनकी निरंतरता का पता चलता है। उनके नाम पर 89.94 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड दर्ज है जो उन्होंने इसी सत्र में हासिल किया था। चोपड़ा ने अपने सत्र का समापन भी इतिहास रच कर किया। डायमंड लीग फाइनल्स को ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप से इतर सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता माना जाता है। चोपड़ा ने तीसरी बार डायमंड लीग फाइनल्स में भाग लिया। इससे पहले वह 2017 और 2018 में क्रमशः सातवें और चौथे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा को इस जीत पर डायमंड ट्रॉफी, 30,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और हंगरी के बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 के लिए वाइल्ड कार्ड मिला। वह हालांकि विश्व चैंपियनशिप के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके थे।

मेरे दिमाग में चल रहीं थीं कई तरह की बातें : विराट

दुबई ।

टीम इंडिया के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने अपना 71 वां शतक लगाने के बाद कहा कि वह अपने दिमाग में जारी अलग-अलग तरह की बातों से भी परेशान हो गये थे। विराट ने कहा, ''पिछले ढाई साल ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है।'' कोहली ने एशिया कप से पहले एक महीने का लंबा ब्रेक लिया था और तब उन्होंने पाया कि उनकी तकनीक में कोई कम नहीं है और वह अपने ही दिमाग में जारी संशय को नहीं समझ पाए थे। उन्होंने कहा, ''मेरे दिमाग में कई तरह की बातें चल रही थी। लोग कह रहे थे कि मैं यह गलती कर रहा हूं। मैंने अपने सर्वश्रेष्ठ समय के वीडियो देखे और मेरा रवैया पहले जैसे ही था। मेरी तकनीक पहले जैसे ही थी बस अंतर इतना था कि मेरे दिमाग में क्या कुछ चल रहा है मैं यह किसी से नहीं कह पा रहा था।'' कोहली ने कहा, ''अंत में एक व्यक्ति के रूप में आप जानते हैं कि आप किस स्थिति में होते हैं। लोगों की अपनी राय होगी पर उनको यह अहसास नहीं हो सकता कि आप कैसा अनुभव कर रहे हैं।'' कोहली ने लगभग तीन साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक लगाया और वह भी टी20 प्रारूप में जिससे उन्होंने आज तक एक भी शतक नहीं लगया था। अपने 71वें शतक से उन्होंने सर्वाधिक अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने के मामले में पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग की बराबरी की है। उन्होंने कहा ,'' मैं वास्तव में हैरान था। इस प्रारूप में शतक के बारे में नहीं सोचा था। कई चीजों का परिणाम है यह ,इसमें मुझे टीम की ओर से भी सहायता मिली। '' कोहली ने इसका श्रेय अपनी अभिनेत्री पत्नी अनुष्का शर्मा को दिया जो खराब समय में भी उनके साथ खड़ी रहीं। उन्होंने कहा, ''मैं जानता हूं कि बाहर बहुत सारी बातें चल रही थी।''

मेजर ध्यानचंद पर बनेगी डॉक्यूमेंटी फिल्म

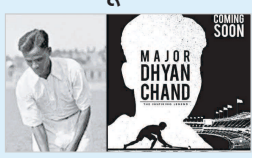

नई दिल्ली । हॉकी के जादूगर के नाम से लोकप्रिय मेजर ध्यानचंद पर अब एक डॉक्यूमेंटी फिल्म बनने जा रही है। उनके पोते ने इस डॉक्यूमेंटी फिल्म के बारे में जानकारी दी है। ध्यानचंद के पोते विशाल सिंह बारां में खेल अधिकारी के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने अपने दादा मेजर ध्यानचंद पर बनने वाली फिल्म के बारे में बताया कि इस वर्ष मेजर ध्यानचंद के जीवन पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई जा रही है। इसको लेकर झांसी में डायरेक्टर के साथ अनुबंध हो गया है। इस फिल्म में इस महान खिलाड़ी के जीवन और उससे जुड़ी घटनाओं के बारे में बताया जाएगा। विशाल ने कहा कि मेजर ध्यानचंद के जन्म से शुरू हुए संघर्ष और अंग्रेजी राज में ओलंम्पिक के अंदर स्वर्ण पदक जीतने से लेकर अंत तक की पूरी कहानी लोगों को दिखायी जाएगी। इस फिल्म में मेजर ध्यानचंद का किरदार एक्टर इशान खट्टर निभाएंगे। इस फिल्म को लेकर खिलाड़ियों के साथ ही लोगों में भी उत्साह है। एक हॉकी खिलाड़ी ने कहा कि बताया कि यह हर्ष का विषय है कि उनके जीवन पर फिल्म बनने जा रही है। मेजर ध्यानचंद को जीवन में आगे रखकर हमने हॉकी खेलना सीखा है। खिलाड़ियों के लिए उनका जीवन एक प्रेरक की तरह होता है। उनके कार्यकाल में भारतीय टीम ने हॉकी में 8 स्वर्ण पदक हासिल किये थे।

इगा स्वियातेक और ओन्स जाबूर पहली बार अमरीकी ओपन के फाइनल में

न्यूयॉर्क ।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक और विंबलडन की उप विजेता ओन्स जाबूर ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करके पहली बार अमरीकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में प्रवेश किया। जाबूर ने गुरुवार की रात को अपनी सर्वश्रेष्ठ टेनिस का नजारा पेश किया तथा कारोलिन गर्सिया को आसानी से 6-1, 6-3 से शिकस्त देकर लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने जीत के बाद कहा- अब मैं वास्तविकता के अधिक करीब हूं। विंबलडन में मैं सपना जी रही थी और विश्वास नहीं कर पा रही थी कि मैं फाइनल में पहुंच गई हूं। जाबूर ने इस तरह से गर्सिया के 13 मैच के विजय अभियान पर रोक लगाई। ट्यूनीशिया की यह खिलाड़ी शनिवार को होने वाले फाइनल में स्वियातेक से भिड़ेगी जिन्होंने पहला सेट गंवाने के बाद छठी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। स्वियातेक तीसरे सेट में भी पिछड़ रही थी लेकिन उन्होंने आखिरी 4 गेम जीत कर फाइनल में जगह बनाई। उन्होंने आखिरी 20 पॉइंट में से 16 पॉइंट अपने नाम किए थे। स्वियातेक अमरीकी ओपन में इससे पहले कभी चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई थी लेकिन पोलैंड की 21 वर्षीय खिलाड़ी के नाम पर फ्रेंच ओपन के दो खिताब दर्ज हैं। पांचवीं वरीयता प्राप्त 28 वर्षीय जाबूर 1968 से शुरू हुए पेशेवर युग में अमरीकी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी खिलाड़ी है।

संक्षिप्त समाचार

महारानी के निधन के बाद ब्रिटेन में कई खेल आयोजन रद्द

लंदन । महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के 96 वर्ष की उम्र में निधन के बाद ब्रिटेन में कई खेल आयोजन रद्द कर दिए गए। महारानी के निधन का समाचार मिलने के तुरंत बाद ही बीएमडब्ल्यू पीजीए चैंपियनशिप में दिन का खेल रोक दिया गया। शुक्रवार को भी यह गोल्फ कोर्स बंद रहेगा। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने कहा कि इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच ओवल में चल रहे तीसरे टेस्ट मैच में शुक्रवार को खेल नहीं होगा। इसके अलावा ब्रिटेन में होने वाली घुड़दौड़ और रग्बी मैचों को भी रद्द कर दिया गया है। ब्रिटेन में साइकलिंग टूर के आयोजकों ने कहा कि शुक्रवार को होने वाली रेस रद्द कर दी गई है। प्रीमियर लीग से नीचे की तीन डिवीजन को संचालित करने वाली इंग्लिश फुटबॉल लीग ने कहा कि शुक्रवार की शाम को होने वाले मैचों को रद्द कर दिया गया है।

स्पेन की मौजूदगी से विश्व कप में भारत का पूल कड़ा बन जाएगा : हॉकी कोच रीड

नयी दिल्ली. भारतीय हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने शुक्रवार को कहा कि एफआईएच विश्व कप में भारत के पूल में स्पेन की मौजूदगी से लीग चरण ही चुनौतीपूर्ण बन गया है। विश्व में पांचवें नंबर की भारतीय टीम को अगले साल 13 से 29 जनवरी के बीच भुवनेश्वर और राउरकेला में होने वाले विश्वकप में इंग्लैंड (विश्व में नंबर छह), स्पेन (विश्व में नंबर आठ) और वेल्स के साथ पूल डी में रखा गया है। भारत ने इस साल राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने के अपने अभियान के दौरान इंग्लैंड को 4-4 से ड्रॉ पर रोका था जबकि वेल्स को 4-1 से हराया था। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार रीड ने कहा,'' एफआईएच हॉकी विश्व कप और ओलंपिक के पूल चरण के मैच हमेशा मुश्किल होते हैं। वहां प्रत्येक टीम जीत के लिए आती है। हमने हाल में बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में इंग्लैंड और वेल्स का सामना किया था और यह मैच काफी कड़े रहे थे। '' उन्होंने कहा,'' इसके अलावा पिछले 12 महीनों में लगातार सुधार कर रहे स्पेन की मौजूदगी से पहले दौर के मैच काफी कड़े हो जाएंगे।'' रीड ने कहा,''इंग्लैंड विश्व स्तरीय टीम है और अभी वह बहुत अच्छी हॉकी खेल रही है। लेकिन हम भी अच्छा खेल दिखा रहे हैं तथा विश्वकप में खेल के उस क्षण में बने रहना और खेल के प्रत्येक पहलू पर ध्यान देना महत्वपूर्ण होगा।'' विश्व कप से पहले भारत 30 अक्टूबर से छह नवंबर के बीच कलिंग स्टेडियम में स्पेन के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग के मैच खेलेगा। भारत भुवनेश्वर में 2018 में खेले गए पिछले विश्वकप में क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं बढ़ पाया था लेकिन रीड को इस बार इस रिकॉर्ड में सुधार की उम्मीद है। रीड ने कहा, ''यह टीम चार साल पहले खेलने वाली टीम से पूरी तरह भिन्न है तथा इसको अलग तरह का अनुभव हासिल है। हम विश्वकप को अपने दर्शकों के सामने खेलने के लिए तैयार हैं।'' विश्व कप में पूल ए में ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका को जबकि पूल बी में मौजूदा विश्व चैंपियन बेल्जियम, जर्मनी, दक्षिण कोरिया और जापान को रखा गया है। नीदरलैंड, चिली, मलेशिया और न्यूजीलैंड पूल सी में हैं।

(मुम्बई) टी20 विश्व कप में इन खिलाड़ियों को मिल सकती है जगह

मुम्बई ।

अगले माह ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए भारतीय क्रिकेट टीम की घोषणा 16 सितंबर को होने की उम्मीद है। टी20 विश्वकप से पहले भारतीय टीम को घरेलू धरती पर छह टी20 मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में इस घरेलू सीरीज में जिन खिलाड़ियों को अवसर मिलेगा। वहीं टी20 विश्व कप में भी खेलेंगे। विश्व कप में खेलने वाले खिलाड़ी इस प्रकार हैं। कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, लोकेश राहुल और सूर्यकुमार यादव। वहीं एशिया कप में अच्छे प्रदर्शन के कारण 5वें बल्लेबाज के तौर पर दीपक हुडा को मौका मिल सकता है। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एशिया कप में प्रभावी नहीं रहे। ऐसे में उनकी जगह खतरे में हैं। ऋषभ की जगह पर अनुभवी दिनेश कार्तिक को अवसर मिल सकता है। कार्तिक ने आईपीएल 2022 में अच्छा प्रदर्शन किया था। इसके बाद भी उन्हें लगातार अवसर नहीं मिले हैं। वहीं ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोट के कारण टी20 विश्व कप से बाहर हो गए हैं। ऐसे में उनकी जगह अक्षर पटेल को विश्व कप के लिए शामिल किया जा सकता है। हार्दिक पंड्या की टीम में जगह पक्की है। ऑस्ट्रेलिया की पिच पर स्पिनरों को अधिक सहायता नहीं लगेगी। ऐसे में 15 सदस्यीय टीम में केवल युजवेंद्र चहल को ही शामिल किया जा सकता है। उन्हें लगातार टी20 में अवसर भी मिल रहा है। अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की टीम में वापसी हो सकती है। वहीं फिट होने पर जसप्रीत बुमराह और हर्षल पटेल का चयन पक्का है। **टीम इस प्रकार है :** रोहित शर्मा (कप्तान), लोकेश राहुल (उप-कप्तान), विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, ऋषभ पंत, दिनेश कार्तिक, हार्दिक पंड्या, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और हर्षल पटेल।

शमी की हो सकती है वापसी , ऋषभ का स्थान खतरे में पड़ा

विराट आखिरकार 71वां शतक लगाने में सफल रहे

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने एशिया कप सुपरफोर के तीसरे मैच में शतक लगाने के साथ ही पिछले तीन साल का सूखा समाप्त कर लिया। यह विराट का टी20 में पहला और तीनों प्रारुपों का कुल 71वां शतक है। विराट ने इसी के साथ ही नवंबर 2019 के बाद से ही अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक भी लगाया है। विराट की इस शतकीय पारी से भारतीय टीम ने अफगानिस्तान को पराजित किया। इस मैच में विराट ने 61 गेंदों पर नाबाद 122 रन बनाए। इस शतक के साथ ही विराट ने पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग के अंतरराष्ट्रीय शतकों के रिकार्ड की भी बराबरी की है। अब वह सर्वकालिक सूची में केवल सचिन तेंदुलकर से ही पीछे हैं। विराट के इस शतक पर खेल जगह के साथ ही बॉलीवुड ने भी अपनी सोशल मीडिया पर खुशी जताई है। इस मैच में नियमित कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिये जाने के कारण टीम की कमान लोकेश राहुल के पास थी। राहुल ने विराट के साथ 76 गेंदों में 119 रनों की साझेदारी बनायी। राहुल ने 41 गेंदों में 62 रन बनाये। कोहली ने अपनी बल्लेबाजी से दिखाया है कि उनकी लय वापस आ गयी है। वहीं राहुल ने भी आज आत्मविश्वास से भरी पारी खेली। इस सीरीज से पहले वह सर्जरी के कारण खेल से दूर थे। शतक पूरा होने के साथ ही दूसरे छोर पर खड़े ऋषभ पंत ने उन्हें बधाई दी. शतक पूरा होने के बाद विराट जब अपने शतक की खुशी मना रहे थे तभी स्टैंड्स में खड़े एक बुजुर्ग की प्रतिक्रिया सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई है। यह बुजुर्ग विराट के शतक पर उन्हें झुककर सलाम कर रहा था। इस बुजुर्ग की प्रतिक्रिया को देखकर प्रशंसक भी भावुक हो गये।

यूरोपा लीग के पहले ही मैच में हारी मैनचेस्टर यूनाइटेड

मैनचेस्टर । मैनचेस्टर यूनाइटेड को यूरोपा लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने पहले ही मैच में रियल सोसिडाड ने 1-0 से हरा दिया। स्टा खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो के रहते हुए भी मैनचेस्टर टीम को हार का सामना करना पड़ा है। रोनाल्डो को चैंपियन्स लीग के किसी क्लब में स्थानांतरण नहीं करवा पाने के कारण पहली बार यूरोप के किसी दूसरी श्रेणी के टूर्नामेंट में खेलना पड़ रहा है। रोनाल्डो को अंतिम बार 13 अगस्त को ईपीएल लीग के मैच में शुरूआती एकादश में शामिल किया गया था। इसके बाद उन्हें चार मैचों में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतारा गया था। यूनाइटेड ने इन चारों मैच में जीत दर्ज की थी। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के कारण दोनों ही टीमें इस मैच में काली पट्टियां बांधकर उतरी थीं। वहीं यूरोपा लीग के ही एक अन्य मैच में आर्सेनल ने ज्यूरिख को 2-1 से हराया था।

नीरज चोपड़ा के लगी चोट, राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के निर्देश के बावजूद चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा का लंबे अंतरराष्ट्रीय सत्र और कमर में चोट के कारण आगामी राष्ट्रीय खेलों में भाग लेना मुश्किल है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने गुरुवार को ज्यूरिख में प्रतिष्ठित डायमंड लीग फाइनल का खिताब जीत कर एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। वह इस खिताब को जीतने वाले पहले भारतीय बने। इसके एक दिन बाद उनसे 29 सितंबर से 12 अक्टूबर तक गुजरात के विभिन्न शहरों में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के बारे में पूछा गया। चोपड़ा ने कहा, 'राष्ट्रीय खेल करीब आ रहे हैं। मैं अभी कमर की चोट से उबर रहा हूं। मैं एक या दो सप्ताह तक प्रशिक्षण नहीं ले पाऊंगा। इसलिए मैं मुख्य रूप से अगले साल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं।' आईओए ने देश के शीर्ष एथलीटों के लिए खेलों में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है, जिससे कई खिलाड़ियों को अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ सकता है। आईओए का निर्देश गृह मंत्री अमित शाह द्वारा खेलों के शुभंकर और राष्ट्रगान के लॉन्च के बाद आया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह अब तक के सबसे बड़े और भव्य राष्ट्रीय खेल होंगे। राष्ट्रीय खेलों का आयोजन सात साल के लंबे अंतराल पर होगा। इस चोट के कारण चोपड़ा अमेरिका में हुए विश्व चैम्पियन में रजत पदक जीतने के बाद इस साल जुलाई-अगस्त में राष्ट्रमंडल खेलों में भाग नहीं ले पाए थे।

उन्होंने हालांकि एक महीने के बाद 26 अगस्त को डायमंड लीग सीरीज के लुसाने चरण को जीतकर यहां फाइनल के लिए क्वालीफाई किया और इसके विजेता बनकर अंतरराष्ट्रीय सत्र को शानदार तरीके से खत्म किया। वह डायमंड लीग मीट में स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने लुसाने में 89.08 मीटर के थ्रो से अपने करियर के तीसरे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ यह खिताब जीता था। ज्यूरिख में चोपड़ा ने फाउल से शुरुआत की लेकिन अपने दूसरे प्रयास में 88.44 मीटर भाला फेंक कर वह शीर्ष पर पहुंच गए। यह उनके करियर का चौथा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है जो आखिर में उन्हें स्वर्ण पदक दिला गया। उन्होंने अपने अगले चार प्रयास में 88.00 मीटर, 86.11 मीटर, 87.00 मीटर और 83.60 मीटर भाला फेंका। चेक गणराज्य के ओलंपिक रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज 86.94 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे। इसे उन्होंने अपने चौथे प्रयास में हासिल किया।

जर्मनी के जूलियन वेबर 83.73 मीटर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

आईसीसी ने आसिफ और फरीद पर लगाया जुर्माना

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पाकिस्तान के बल्लेबाज आसिफ अली और अफगानिस्तान के गेंदबाज फरीद अहमद पर जुर्माना लगाया है। यह दोनो खिलाड़ी एशिया कप सुपर फोर मुकाबले में मैदान पर ही झगड़ने लगे थे। ऐसे में आईसीसी ने दोनों को ही आचार संहिता के लेवल एक के अपराध का दोषी पाया है। आईसीसी ने इन दोनो पर मैच फीस का 25-25 फीसदी जुर्माना लगाया है। टकराव के बाद आसिफ को एशिया कप से प्रतिबंधित करने की भी मांग उठी थी। आसिफ ने फरीद को मारने के लिए बल्ला तक उठा लिया था। आईसीसी के एक बयान के अनुसार आसिफ ने आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.6 का उल्लंघन किया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अश्लील, आक्रामक या अपमानजनक संकेत को लेकर है। वहीं फरीद को धारा 2-1 . 12 के उल्लंघन का दोषी पाया गया है। यह खिलाड़ी, सहयोगी स्टाफ, अंपायर , मैच रैफरी या किसी भी व्यक्ति के साथ अनुचित शारीरिक संपर्क से संबंधित है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान मैच के 19वें ओवर में पाक बल्लेबाज आसिफ और अफगानिस्तान के गेंदबाज फरीद अहमद भिड़ गए। इस ओवर की चौथी गेंद पर आसिफ ने फरीद को छक्का लगा दिया। वहीं अगली गेंद पर ही फरीद ने आसिफ को आउट कर दिया। आसिफ के आउट होने के बाद फरीद ने बल्लेबाज के सामने जाकर आक्रामक तरीके से जश्न मनाया। जिसके बाद आसिफ आक्रामक हो गये और उन्होंने फरीद के ऊपर बल्ला तान दिया। इस दौरान अन्य खिलाड़ियों और अंपायर ने दोनों को अलग किया।

गुजरात फसल वृद्धि और किसान समृद्धि के पीएम मोदी के संकल्प को साकार करने में अग्रसर :मुख्यमंत्री

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को गांधीनगर में 11वीं एग्री एशिया प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए यह स्पष्ट किया कि गुजरात खेती को प्राथमिकता देकर खेती में समयानुकूल अत्याधुनिक तकनीक के उपयोग से फसल वृद्धि और किसानों की समृद्धि के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को साकार करने में अग्रसर रहा है। इस संदर्भ में मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय दुगुनी कर कृषि अर्थव्यव-स्था को मजबूत बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने देश को जो किसान हितकारी योजनाएं दी हैं, गुजरात में उसका सुचारु तरीके से कार्यान्वयन हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में खेती, गांव और अंतिम व्यक्ति के सर्वग्राही विकास की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि गुजरात आज कृषि, उद्योग, वित्तीय प्रबंधन, निर्यात और कोविड प्रबंधन सहित तमाम क्षेत्रों में देश का रोल मॉडल बना है, इसके मूल में नरेन्द्र मोदी द्वारा दी गई विकास की राजनीति और सभी के कल्याण का मंत्र निहित है। पटेल ने कहा कि सरकार ने खेती के क्षेत्र में तकनीक के उपयोग के साथ-साथ पोषण युक्त खेती के लिए प्राकृतिक खेती की भी रणनीति अपनाई है। राज्य सरकार प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के अलावा ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग से खेती क्षेत्र के संपूर्ण विकास के लिए खेती को प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि गुजरात ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कृषि क्रांति, वाइब्रेंट समिट से औद्योगिक निवेश की व्यापक सफलता, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) हासिल करने में शीर्ष स्थान, नीति आयोग के

भारतीय अर्थव्यवस्था को अधिक मजबूत बनाने में गुजरात की भूमिका भी अहम: पुरुषोत्तम रूपाला

सुशासन और वित्तीय प्रबंधन सूचकांक में आगे रहने की परंपरा को बरकरार रखा है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी राज्य के किसानों को फसल पद्धतियों के वैश्विक रुझान और कृषि ज्ञान-विज्ञान को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने में लाभकारी सिद्ध होगी। उन्होंने प्रदर्शनी के जर्मनी पैवेलियन, प्राकृतिक खेती से संबंधित पैवेलियन और ड्रोन पैवेलियन सहित विभिन्न पैवेलियनों और स्टॉल्स का दौरा भी किया।

केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने इस अवसर पर कहा कि भारत में कृषि और पशुपालन वर्षों से एक-दूसरे के पूरक रहे हैं, तब यह तीन दिवसीय एग्री एशिया और 9वीं पशुपालन-डेयरी टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी इसे और अधिक प्रोत्साहक बल प्रदान करेगी। रूपाला ने कहा कि कोरोना के कारण वैश्विक मंदी के माहौल में भी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। भारतीय अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने में गुजरात की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सरकार की पशुपालन हितैषी नीतियों तथा पशुपालकों के परिश्रम के परिणामस्वरूप गुजरात के पशुपालक आज दैनिक 150 करोड़ रुपए का दूध सहकारी डेयरियों में जमा करा रहे हैं, जो दुग्ध सहकारी क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है। केंद्रीय मंत्री रूपाला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के अपने मुख्यमंत्रित्व काल के दौरान सबसे पहले गुजरात में पशुपालन के साथ जुड़ी कामधेनु यूनिवर्सिटी की स्थापना की और कृषि महोत्सव के माध्यम से पशुपालन और कृषि शोध के क्षेत्र में देश को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि केंद्र और गुजरात सरकार के संयुक्त प्रयासों से राज्य के किसानों को शून्य ब्याज दर पर कृषि ऋण प्रदान किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश भर के किसान आज ड्रोन टेक्नोलॉजी के जरिए खेती कर रहे हैं, विशेषकर गुजरात सरकार ने तो किसानों को ड्रोन के जरिए खेतों में कीटनाशकों के छिड़काव पर सब्सिडी देकर देश को नई राह दिखाई है। केंद्रीय मंत्री ने उपस्थित किसानों से कृषि एवं पशुपालन से संबंधित विभिन्न स्टॉलों का दौरा करने तथा विभिन्न सेमिनारों में भाग लेने का अनुरोध किया और इस सुंदर आयोजन के लिए मुख्यमंत्री सहित अधिकारियों एवं आयोजकों को बधाई दी।

इस अवसर पर गुजरात प्रोग्रेसिव डेयरी फार्मर्स एसोसिएशन (जीपीडीएफए) के चेयरमैन डॉ. भरतभाई पटेल ने स्वागत भाषण में 11वीं एग्री एशिया और 9वीं पशुपालन-डेयरी टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। प्रदर्शनी में कृषि, किसान कल्याण एवं सहकारिता विभाग के अंतर्गत प्राकृतिक कृषि थीम पर आधारित पैवेलियन के साथ-साथ अमूल ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर, भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) और जीजीआरसी सहित कृषि और पशुपालन से संबंधित टेक्नोलॉजी आधारित विभिन्न कंपनियों के स्टाल शामिल हैं।

जीएमडीसी लिमिटेड ने दिल्ली में अपना क्षेत्रीय कार्यालय खोला, रेजिडेंट कमिश्नर ने किया उद्घाटन

अहमदाबाद । गुजरात खनिज विकास निगम लिमिटेड (जीएमडीसी) ने नई दिल्ली में अपना क्षेत्रीय कार्यालय खोला है। श्रीमती आरती कँवर, रेजिडेंट कमिश्नर, गुजरात सरकार ने शुक्रवार को बाबा खड्ग सिंह मार्ग पर स्थित इस कार्यालय का उद्घाटन किया। दिल्ली में जीएमडीसी लिमिटेड का क्षेत्रीय कार्यालय खोलने की पहल इसके प्रबंध निदेशक रूपवंत सिंह, आईएएस ने की थी। गुजरात सरकार के स्वामित्व वाली खनन कंपनी जीएमडीसी पिछले छह दशकों से हाई-क्वॉलिटी मिनरल की माइनिंग और प्रोसेसिंग का कार्य कर रही है। यह कंपनी थर्मल, पवन और सौर उर्जा के उत्पादन का कार्य भी करती है। यह ज़ीरो-डेट कंपनी (जिस कंपनी पर कोई ऋण बक़ाया ना हो) साल 2017 में भारत की फॉर्च्यून 500 कंपनियों (2017) में 13-2वें स्थान पर थी। इसे मार्केट कैपिटलाइज़ेशन द्वारा माइनिंग सेक्टर में शीर्ष 5 संगठनों में शामिल किया गया था। जीएमडीसी भारत की दूसरी सबसे बड़ी लिग्नाइट उत्पादक कंपनी है और यह गुजरात में लिग्नाइट एक्प्लोरेशन तथा सप्लाई में सबसे आगे है। गुजरात के लिग्नाइट समृद्ध क्षेत्रों में खनन किया जाता है और फिर इसे हाई-ग्रोथ इंडस्ट्री जैसे टेक्सटाइल, केमिकल, सिरामिक, ईंट उद्योग और कैप्टिव पावर को सप्लाई किया जाता है। जीएमडीसी लिमिटेड भविष्य में अपना विस्तार करने के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके एक हिस्से के रूप में कंपनी ने कुछ नई खदानों, खनिज लाभकारी संयंत्रों और अन्य परियोजनाओं की शुरुआत की है। इन परियोजनाओं को तेज़ी से ट्रैक करने के लिएभारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और प्राधिकरणों से समय पर क्लियरेंस, अप्रूवल और परमिशन की आवश्यकता है। नई दिल्ली में अपने नए क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना करके जीएमडीसी लिमिटेड इस उद्देश्य को पूरा करने को तत्पर है।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के उत्तर प्रदेश के उप सचिव बॉबी सिंह गुजरात दौरे के दरमियान उत्तर भारतीय श्रमजीवी संघ कार्यालय का उद्घाटन समारोह

सूरत भूमि, सूरत। शहर के अहमदाबाद मुंबई हाईवे पर स्थित चलथान बाजार में उत्तर भारतीय श्रमजीवी संघ के कार्यालय का उद्घाटन कार्यक्रम किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जन सत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी जिस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया जो प्रतापगढ़ के बड़े ही लोकप्रिय व्यक्ति हैं उनके द्वारा इस पार्टी की स्थापना की गई है। इस पार्टी में बॉबी सिंह उत्तर प्रदेश के उच्च सचिव पद पर कार्यरत हैं जो सूरत के दौरे पर निकले हैं अपनी पार्टी की प्रसिद्धि बढ़ाने के लिए इस समय गुजरात दौरे पर हैं । और गणपति विसर्जन के शुभ अवसर पर गुजरात राज्य के सूरत शहर से बाहर चलथान बाजार में उत्तर भारतीय श्रमजीवी संघ का कार्यालय चालू किया गया। जिसका फीता बॉबी सिंह द्वारा काटकर उद्घाटन समारोह संपन्न किया गया और उसी कार्यालय में शहर के सैकड़ों माननीय व्यक्ति इकट्ठा हुए। जहां पर जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के बारे में चर्चा हुई तथा सैकड़ों लोग पार्टी से जुड़ने के लिए तैयार हुए ।

सूरत भूमि, सूरत। 8 सितंबर 2022 के दिन गुरुवार को उधना मगदल्ला रोड नवजीवन सर्कल के पास गोकुलधाम शॉपिंग सेंटर ऑफिस नंबर 9 में श्री महाकाल सार्वजनिक सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट का उद्घाटन समारोह जनसत्ता दल लोकतांत्रिक पार्टी के उत्तर प्रदेश के उपसचिव बॉबी सिंह के द्वारा किया गया। इस समारोह के लिए ट्रस्ट के प्रमुख सुनील शुक्ला, व उपप्रमुख चंद्रभान तिवारी व मंत्री काशी प्रसाद तिवारी, कोषाध्यक्ष मुकेश पांडे, एवं सदस्य विकास शुक्ला, बीजेपी नेता रमेश तिवारी, की उपस्थिती में बॉबी सिंह का स्वागत किया गया और मिठाइयां बांटी गई। इस मौके पर लोगों ने भगवान महाकाल से अपने-अपने सफलता की कामना की।

कृष्णा शांति प्रोडक्शन की अपकमिंग फिल्म 'इश्क पश्मीना' की टीम फिल्म प्रमोशन के लिए सूरत पहुंची।

इश्क पश्मीना भारत में 23 सितंबर, 2022 को रिलीज होगी। फिल्म में युवा प्रभावकार और अभिनेता भावीन भानुशाली और पूर्व मिस इंडिया मालती चाहर हैं, दोनों अपनी फीचर फिल्म की शुरुआत कर रहे हैं। भावीन भानुशाली और मालती चाहर के अलावा, फिल्म में दिग्गज अभिनेत्री जरीना वहाब, बृजेंद्र कला, कायनात अरोरा, गौरिका मिश्रा और कई और स्टार कास्ट शामिल हैं।

सूरत भूमि,सूरत। श्री ऊमर वैश्य समाज सेवा समिति ट्रस्ट सूरत द्वारा डिडोली सूर्यमुखी हनुमान मंदिर पर गणेश विर्सजन के पावन दिन पर गरमागरम नाश्ता फोहा गणेश भक्तों को कराया बड़ी संख्या मे गणेश भक्तों ने गरमागरम नाश्ते का आनंद लिया इस कार्यक्रम मे महत्वपूर्ण भूमिका सूरत शहर के अध्यक्ष राकेश जी महामंत्री रवीन्द्र जी संगठन मंत्री गोपाल जी उपाध्यक्ष पवनजी,गणेश जी,शिवकुमार जी रहे इसके समाज के कोषाध्यक्ष संतोष जी जामताली वाले विनोद जी, अशोक जी, कमलाशंकर, संजय जी सजन लाल जी, तथा महिला मोर्चा की पदाधिकारी श्रीमती मंजू शाह, प्रियंका जी, रशिम जी,अंतिमा जी सुनीता जी, बबिता जी श्रद्धा शाह,इश्मिता आदि सभी कार्यक्रम मे शमिल होकर गणेश भक्तों की सेवा की श्री ऊमर वैश्य समाज गुजरात के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार पप्पू जी अरैठ वाले तथा राष्ट्रीय महामंत्री संतोष शाह ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया ।

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान स्टारर 'विक्रम वेधा' का ट्रेलर मुंबई में काफी धूमधाम के बीच हुआ लॉन्च!

अहमदाबाद । लेखक-निर्देशक पुष्कर और गायत्री की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'विक्रम वेधा' का ट्रेलर औपचारिक रूप से 8 सितंबर को मुंबई में एक विशेष इवेंट में कलाकारों द्वारा लॉन्च किया गया!

आधिकारिक लॉन्च के लिए एक बिल्डअप के रूप में, विक्रम वेधा के निर्माताओं ने ट्रेलर लॉन्च से एक दिन पहले अहमदाबाद सहित देश भर के 10 शहरों और दुबई में ट्रेलर के एक एक्सक्लूसिव प्रीव्यू के साथ कलाकारो के प्रशंसकों को आश्चर्यचकित कर दिया। यह पहल भारतीय सिनेमा के इतिहास में पहली बार की गई थी। इस तरह की योजना ने न केवल एक दिन पहले एक बड़ा प्रचार उत्पन्न करने में मदद की, बल्कि टीज़र की शानदार सफलता के बाद आसमान की उच्च उम्मीदों को भी पूरा किया।

ट्रेलर को सभी शहरों में से और सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के चिल्लाने और सीटी बजाने के साथ अविश्वसनीय प्यार और सराहना मिल रही है।

चविक्रम वेधाज में सैफ अली खान विक्रम की भूमिका में हैं जबकि ऋतिक रोशन वेधा की मुख्य भूमिका में हैं। जहां सैफ अली खान विक्रम के रूप में एक सीधे शूटिंग पुलिस वाले के चरित्र को जीवंत करते हुए दिखाई देते हैं, वहीं ऋतिक रोशन एक खतरनाक गैंगस्टर, वेधा की भूमिका निभाते हैं, जो टक्कर देते हुए विस्मय के साथ प्रहार करते नजर आ रहै है।

अभिनेता ऋतिक रोशन और सैफ अली खान कोजैसा कि ट्रेलर में देखा जा सकता है, अपने-अपने प्रदर्शन के लिए प्रशंसा प्राप्त कर रहे हैं। फिल्म में रोहित सराफ, योगिता बिहानी, शारिब हाशमी और सत्यदीप मिश्रा भी आशाजनक भूमिकाओं में हैं।

'विक्रम वेधा' पुष्कर-गायत्री द्वारा लिखित और निर्देशित एक एक्शन-थ्रिलर है। 'विक्रम वेधा' की कहानी ट्विस्ट और टर्न से भरी है, क्योंकि एक सख्त पुलिस वाला विक्रम (सैफ अली खान) एक खुंखार गैंगस्टर वेधा (ऋतिक रोशन) को ढूंढता है और उसका पीछा करता है।

जो सामने आता है वह है एक बिल्ली और चूहे का खेल,जहां मास्टर कहानीकार वेधा विक्रम को कहानियों की एक श्रृंखला के माध्यम से पिछली घटनाओं पर से पर्दे उठाने में मदद करता है, जिससे विचार-उत्तेजक नैतिक अस्पष्टताएं पैदा होती हैं।

चविक्रम वेधाज गुलशन कुमार, टी-सीरीज और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा फ्राइडे फिल्मवर्क्स और जियो स्टूडियोज और YNOT स्टूडियो प्रोडक्शंस के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित और निर्माता भूषण कुमार और एस. शशिकांत हैं, 'विक्रम वेधा' 30 सितंबर 2022 को वैश्विक स्तर पर बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।

सूरत भूमि,सूरत। वार्ड नंबर 27 डिंडोली दक्षिण के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं पार्षदों द्वारा अनंत चतुर्दशी के अवसर पर गणेश भक्तों को खिचड़ी खिलाया छाछ-पानी पिलाया गया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)